तेईसवां संस्करण

।।श्री गणेशाय नमः।।

।।श्री राधारमणो विजयते।।

निःशुल्क वितरणार्थ

।। अथ वत्स तिथि एवं पर्व निर्णय पत्र ।।

श्री संवत 2077 ईस्वी सन् 2020-21

श्री शकः 1942

आनन्द नाम संवत्सरः

राजा–बुध मंत्री चन्द्र





प्रेरणा स्रोत

परमादरणीय संत स्वरूप

लीला निकुंजस्थ परम वैष्णव

डॉ देवी प्रसाद गौड़

(1923-1997)

पंचांग प्रवर्तक

श्रीमद् भागवत कथा व्यास-

प्राच्य ज्योतिर्विद्या मर्मज्ञ

वैष्णवाचार्य आचार्य

श्री अमिताभ जी महाराज

।। प्रकाशक ।।

डॉ देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजीकृत), प्रयागराज

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट, प्रयागराज

visit us at : www.astrospiritualsolutions.com



श्रद्धेय परम पूज्य संत वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज

स्मृतिनिधि



(1923 - 1997)

परमादरणीय पिता-गुरू लीला निकुन्जस्थ डॉ0 देवी प्रसाद गौड़

तांत्रिक, ज्योतिषी एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ

परमादरणीय डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ का जन्म प्रयाग में हुआ। अपनी उच्च शिक्षा के विविध आयाम उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राप्त किये। प्रारंभ से ही प्राच्य विद्याओं के प्रति अपने आकर्षण के कारण उन्होंने विशेष सम्मान अर्जित किया। कालांतर में हिन्दी साहित्य की सेवा के उद्देश्य से शासकीय सेवा का त्याग कर दिया। प्रतिष्ठित पत्रिका सरस्वती एवं दैनिक भारत में उन्होंने पत्रकारिता के दायित्वों का निर्वहन किया। कालांतर में 1962 के उपरांत वे ज्योतिष एवं तंत्र के विविध पक्षों के अनुसंधान में संलग्न रहे तथा संत स्वरूप में साधना रत रहे। वह प्रचार से सदैव पृथक रहे। तथापि उनसे लाभान्वित होने वाले बहुसंख्य हैं। उनकी विद्या सर्वतोमुखी थी। वे न्याय, दर्शन, साहित्य आदि में भी समान गतियुक्त थे। हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, बांग्ला पर उनका पूर्ण अधिकार था। किन्तु विद्वता के अभिमान से पूर्णतः विरत थे। अब वह हमारे बीच नहीं हैं किन्तु उनका आशीर्वाद एवं शुभैषणा सदैव हमारे जीवन में सुरभित रहेंगे।



विषाणांकुशा वक्षसूत्रं च पाशं दधानं करैर्मोदकं षुष्करेण ।
स्वपत्न्यायुतं हेमभूषाभराढ्य गणेशं समुद्यद्दनेशाभमीडे।।







सव्यपादसरोजेनालंकृतोरुमृगाधिपाम् । वामपादाग्रदलितमहिषासुरनिर्भराम् ।। 1।।
सुप्रसन्नां सुवदनां चारूनेत्रत्रयान्विताम् । हारनूपुरकेयूरजटामुकुटमण्डिताम् ।। 2।।
विचित्रपट्टवसनामर्ध चन्द्रविभूतिषताम् । खड्गखेटकवज्राणि शूलं च विशिखं तथा ।। 3।।
धारयन्तीं धनुः पाशं शंखघण्टे सरोरूहम् । बाहुभिर्ललितैर्देवि कोटिचन्द्रसमप्रभाम् ।। 4 ।।
समाहृतैर्दिविषदैर्देवैराकाशसंस्थितैः । स्तूयमानां मोदमानैर्लोकपालादिभिः सदा ।। 5।।

श्रील वदान्य

मेरे पूज्य पिता एवं गुरू परम भागवत प्रातः स्मरणीय **डॉ0 देवी प्रसाद गौड़, प्रकाण्ड प्राच्य ज्योतिर्विद्या विशारद एवं तंत्र विशेषज्ञ,** के सानिध्य में मुझे श्रीमद् भागवत की विशिष्ट आध्यात्मिक भक्ति परक व्याख्या तथा ज्योतिष एवं तंत्र के विविध गूढ़ स्तरों को अनुभूति के स्तर पर साक्षात् करने का अवसर सहज ही सुलभ हुआ। **श्रीमद् भागवतीय तंत्र** के प्रखर विशेषज्ञ महामान्य डॉ0 गौड़ के महाप्रयाण के उपरांत गुरू रूप में उनकी कृपा एवं आशीर्वाद ही इस गुह्य विद्या के निरंतर अनुसंधान हेतु मुझे प्रेरित करने वाले प्रभावी संबल हैं। उनकी स्मृति में स्थापित **प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजीकृत)** के लक्ष्यों में इस गुह्य एवं प्राचीन विद्या के विभिन्न अंगों को विश्लेषणात्मक एवं पारदर्शी रूप में जन सुलभ कराना प्रमुख हैं। पारंपरिक पंचांगों के दुर्बोध होने तथा उपलब्ध पर्व पत्रादि के जन अपेक्षा अनुरूप न होने के कारण मैंने प्रयाग के गौरव के अनुरूप उपयुक्त काल गणना के अनुसार विवाद रहित तिथि-पर्व निर्णय पत्र-पंचांग के प्रकाशन की योजना बनायी। ईश्वरीय अनुकम्पा एवं गुरू कृपा से यह कार्य मूर्त रूप ले सका। यह संस्थान की **तेइसवीं पुष्पांजलि** है। इसके निरंतर परिष्कार हेतु हम कृत संकल्प हैं।

अपने समस्त सार्वजनिक लोक कल्याणकारी विविध लक्ष्यों की पूर्ति हेतु स्थापित **श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउन्डेशन ट्रस्ट** भी अपने उद्देश्यों के साथ गतिशील है।

इस कार्य में मैं सहयोगी जनों की धर्म वृत्ति के उन्नयन एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ। इस **प्रक्रिया** में मुझे अपनी पूज्यनीय माता **श्रीमती सुदेवी गौड़ एम0ए0, साहित्य रत्न, साहित्यालंकार** से जो प्रश्रय एवं प्रेरणा प्राप्त हुई, उसकी शाब्दिक अभिव्यक्ति कर पाना मेरे लिए संभव नहीं है।

ब्लाक-13, ग्रांउड फ्लोर, द्वारिका एनक्लेव, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 211 001
मोबाइल - (+91) 9415308509, 8090001074
दूरभाष - (0532) 2618509
email : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com
visit us at www.astrospiritualsolutions.com

प्रवर्तक
श्रीमद् भागवत कथा व्यास, प्राच्य ज्योतिर्विद्या मर्मज्ञ
वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज



श्रीमद् भागवत प्रवचन के दौरान
आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज की भावपूर्ण स्थिति

परम पूज्य संत आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज परम भागवत ***डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्रकाण्ड ज्योतिर्विद एवं श्रीमद् भागवतीय तंत्रविद*** के पुत्र हैं। अपने पिता के सुयोग्य मार्ग दर्शन में आपने ***विशिष्ट वैष्णव सिद्धान्तों*** के आश्रय से ***श्रीमद् भागवत*** का गहन अध्ययन किया है। इस प्रक्रिया को आपके मातृकुल की समृद्ध कथा-प्रवचन की परम्परा ने और संपोषित व परिवर्धित किया। भारत प्रसिद्ध श्रीमद् भागवत कथा प्रवक्ता वृन्दावनस्थ ***मन्माध्व गौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य स्वर्गीय श्री अतुल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज*** आचार्य जी के पूज्य मामा जी हैं। श्रीमद् भागवत के पूर्ण व्याख्यात्मक परिवेश को आपने उनसे ही आत्मसात किया है। उनकी सक्रिय प्रेरणा एवं आशीर्वाद से महाराज श्री भारतवर्ष के विभिन्न भागों में श्रीमद् भागवत की पवित्र कथा के माध्यम से ***श्री राधा कृष्ण नाम प्रचार*** करते हुए श्रीमद् भागवत के रस सिद्ध एवं गम्भीर वक्ता के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त कर रहे हैं। गंगा क्षेत्र में अपने शिविरों तथा अन्यत्र भी आप सामाजिक कार्यों में संलग्न रहते हैं। ***मानव सेवा माधव सेवा आपका मूल उद्देश्य है।***

महाराज श्री के व्यक्तित्व के विविध आयाम हैं। आधुनिक परिवेश की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ अपने पिता गुरू से पारम्परिक ज्योतिष एवं तंत्र की विशिष्ट क्रियात्मक शिक्षा भी आपने प्राप्त की। श्रीमद् भागवत के तंत्र पक्ष में आपकी विशेष गति है। आप ज्योतिष में शोध प्रक्रिया से पूर्णतः अनुप्राणित हैं। ***चिकित्सा ज्योतिष एवं तंत्र सूत्रों*** में आपकी विशेष स्थिति है। इस प्रकार अपने व्यक्तित्व के विविध आयामों के साथ आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज जनहित में संलग्न है।

डॉ0 सतीश चंद्रा
आचार्य, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय

AN INTRODUCTION TO MAHARAJSHREE

His Holiness Vaishnavacharya Aacharya Shree Amitabh ji Maharaj is a renowned figure in the context of Hindu Religion (Sanatan Dharma). He is remarkable orator. Through the lucid and contemporary explanation of the verses of ***Srimad Bhagavata (a widely acclaimed sacred Hindu scripture)*** *Maharajshree intends to impart the original and valuable traits of* ***Hindu Social and religious philosophy*** *upon those people who are suffering from worldly problems and seeking spiritual relief. His* ***Srimad Bhagavata Saptaha Katha*** *(Religious discourse on the above mentioned sacred book) is continuously being organised in various parts of India by his devoted desciples and many persons have benefited from it. A simple and decent personality holder Param Pujya Sant Vaisnavacharya shree Amitabh Ji Maharaj is a Jewel in the tradition of Vaishnava Parampara of* ***Bhagavan Shree Radha-Krishna Bhakti. Manava Sewa Madhava Sewa*** *is his central theme (Mantra). Maharaj Shree is multi dimensional figure. He is renowned* ***Oriental Astrologist and Srimad Bhagavatiya Tantravid*** *also and stablished* ***Dr. Devi Prasad Gaur Prachya Vidya Anusandhan Sansthan'*** *in the memory of his father - Guru Revered Dr. D. P. Gaur to promote the couse of* ***Hindu Oriental Sciences.*** *The institute is doing remarkable work like - (A) - Provision of Dr. D. P. Gaur National Awards in the fields of Astrology and Tantra for life time achievement and contribution as jurnalist in Astrology; (B) - Provision of Fellowships for the research students at University level related with Astrology and Tantra in the name of his Revered Father - Guru; (C) - To conduct National as well as international seminars to promote the cause stated above. An* ***Almanac (Panchang)*** *is regularly published by the institute which is destributed among the masses free of cost to regenerate the interest in Astrology and old traditions.*

An eminent Religious personality Sant Vaishnavacharya Aacharya Sri Amitabh Ji Maharaj is always prepared to shower his grace upon persons in need. His family has religious influence and has so many desciples to generate the ***true socio Religious cause.*** *Under the directions of rich* ***Vaishnava Doctrines*** *his family is doing well.*

Block-13, Ground Floor, Dwarika Enclave, Lukerganj, Prayagraj (U.P.) 211 001 India

Mobile : (+91)9415308509, 8090001074, (0532) 2618509

E-mail : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com

डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान (पंजीकृत)

एक परिचय

परम भागवत डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ की स्मृति में **डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंन्धान संस्थान (पंजीकृत)** की स्थापना की गयी है, जो महामान्य श्री गौड़ के घोषित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस संस्था के लक्ष्य इस प्रकार है।

1. ज्योतिष के वैज्ञानिक संदर्भों की संपुष्टि करना एवं इस हेतु राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियां आयोजित करना।
2. ज्योतिष के विविध पक्षों का प्रचार-प्रसार शैक्षणिक माध्यमों एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों द्वारा करना।
3. ज्योतिष में व्यक्ति के लाभ हेतु उपचारपरक शोध का आधार तैयार करना।
4. (अ) तंत्र के विविध पक्षों पर क्रियात्मक शोध की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना।
   (ब) **श्रीमद् भागवत** में अंतर्हित तंत्र प्रक्रियाओं के अनुसंधान को गति प्रदान करना।
5. प्राचीन भारतीय भाषाओं जैसे संस्कृत, पाली आदि में लिखित प्राच्य विद्या संदर्भित ग्रंथों को अनुवादित कर जनता के समक्ष प्रस्तुत करना व उन पर से रहस्यावरण को समाप्त करना।
6. ज्योतिष व तंत्र के साथ समरूपता स्थापित करते हुये गूढ़ यौगिक साधनाओं के क्रियात्मक पक्षों का लोगों को सहज सुलभ ज्ञान प्रदान करना।
7. उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु **समृद्ध कोष** की स्थापना करना।

संस्थान द्वारा एक ***पंचांग*** का प्रकाशन किया जा रहा है जो जनसाधारण हेतु बोधगम्य होने के कारण विशिष्ट स्वीकृति प्राप्त कर रहा है। इस पंचांग का संपूर्ण भारतवर्ष में यहाँ तक कि विदेशों में भी निःशुल्क वितरण सम्पन्न किया जाता है। इस संस्था को उसके उद्देश्यों की पूर्ति हेतु दिये जाने वाले अंशदान का प्राच्य विद्याओं के उन्नयन में उपयोग होता है। संस्थान द्वारा 24.10.1999 को प्राच्य ज्योतिर्विद्या के विकास तथा राष्ट्रीय पुरस्कारों के वितरण हेतु प्रथम श्रेणी का अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन आयोजित किया गया। ज्योतिष महाकुंभ 2001 के सफल आयोजन में भी संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका व सहयोग रहा। संस्थान के तत्वाधान में प्रयाग के गंगा क्षेत्र में माघ मास के अवसर पर ज्ञान-सत्संग शिविर एवं निर्धनों हेतु भण्डारी आदि का आयोजन भी होता है। अर्द्धकुम्भ 2007 तथा महाकुम्भ 2013 के अवसर पर भी संस्थान द्वारा संगम क्षेत्र में वृहद रूप में भण्डारा आदि सार्वजनिक कार्य सम्पन्न किये गये। प्रत्येक वर्ष माघमेला प्रयाग तथा अन्य स्थलों पर भी संस्थान द्वारा अनेकानेक सामजिक धार्मिक क्रियाकलापों का क्रियान्वयन निरतरता में सम्पन्न किया जाता है।

श्रीमती सुदेवी गौड़
एम.ए. साहित्य रत्न, साहित्यालंकार
संरक्षिका/अध्यक्ष

श्रीमद् भागवत कथा व्यास, प्राच्य ज्योतिर्विद्या मर्मज्ञ
वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज
उपाध्यक्ष

Block-13, Ground Floor, Dwarika Enclave, Lukerganj, Prayagraj (U.P.) 211 001 India
Mobile : (+91)9415308509, 8090001074, (0532) 2618509
E-mail : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउन्डेशन ट्रस्ट

एक परिचय

परम पूज्य संत आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज द्वारा अपने समर्पित शिष्यों एवं भक्तों के सहयोग से समस्त जनहित तथा मानव मात्र की सेवा के उद्देश्य से इस ट्रस्ट की स्थापना की गयी है। इसके अंतर्गत यथासंभव निःशुल्क चिकित्सकीय सुविधा, बृहद् स्तर पर विभिन विशेष अवसरों पर बिना किसी प्रतिबन्ध के पूर्ण भोजन प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाती है। महाराज श्री के पवित्र संरक्षण में उनके शिष्य इस उद्देश्य की पूर्ति में यथा संभव संलग्न रहते है। क्योंकि भोजन और चिकित्सा दो मूलभूत आधार हैं मानवता के संरक्षण हेतु।

ट्रस्ट के माध्यम से शैक्षणिक विशेषकर मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने हेतु उपयुक्त संरचना विकसित करने पर भी बल दिया जा रहा है। जिसमें छात्रवृत्ति प्रदान करना तथा अन्य प्रकार से प्राच्य विद्याओं के संवर्द्धन तथा संरक्षण का प्रयास करना भी सम्मिलित है।

मानव विकास तथा उपयुक्त एवं सकारात्मक जीवन पद्धति के विकास तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ट्रस्ट की अनेकों योजनायें हैं जो क्रमशः स्वरूप धारण करेंगी। इसके मानवीय लक्ष्यों की पूर्ति हेतु धर्मप्राण तथा समाजोन्मुखी लोग अपना योगदान निम्न एकाउंट नं0 में भारत के किसी भी क्षेत्र से जमा करा सकते है।

श्री कृष्ण मानव संचेतना सेवा फाउन्डेशन ट्रस्ट

स्टेट बैंक आफ इण्डिया, इलाहाबाद एकाउंट नं0 31282384607

IFSC Code / RTGS No. : SBIN0018245

Block-13, Ground Floor, Dwarika Enclave, Lukerganj, Prayagraj (U.P.) 211 001 India
Mobile : (+91)9415308509, 8090001074, (0532) 2618509
E-mail : amitabhg98@yahoo.com / maharajshree19@gmail.com

श्री संवत 2077 - 25 मार्च 2020 से 12 अप्रैल 2021 पर्यन्त विविध मुहूर्त

वर्ष के प्रारम्भ में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा बुधवार (25 मार्च 2020) से वैशाख कृष्ण सप्तमी मंगलवार (14 अप्रैल 2020) तक मीन संक्रान्ति एवं करि दिन दोष होने से अशुद्ध काल है। इसके उपरांत ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी गुरुवार (28 मई 2020) दिन 4/21 तक शुद्ध काल है। इसके पश्चात् शुक्रास्त दोष के कारण आषाढ़ कृष्ण षष्ठी गुरूवार (11 जून 2020) दिन 7/10 तक अशुद्ध काल है। तत्पश्चात् आषाढ़ शुक्ल दशमी मंगलवार (30 जून 2020) तक शुद्ध काल है। तदुपरांत कार्तिक शुक्ल दशमी मंगलवार (24 नवम्बर 2020) तक चातुर्मास्य दोष व अधिक मास के कारण अशुद्ध काल है। इसके उपरांत मार्गशीष कृष्ण चतुर्दशी रविवार (13 दिसम्बर 2020) तक शुद्ध काल है। इसके पश्चात् (धनु संक्रान्ति) खरमास, गुर्वस्त, शुक्रास्त एवं पुनः खरमास (मीन संक्रान्ति) के कारण संवत्सर अंत तक अशुद्ध काल है।

विवाह मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष
9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2020

20 अप्रैल - तिथि 13 सोमवार
दिवा - रात्रि लग्न

वैशाख शुक्ल पक्ष
24 अप्रैल से 7 मई 2020

25 अप्रैल - तिथि 2 - शनिवार
26 अप्रैल - तिथि 3 रविवार
दिवा - रात्रि लग्न
27 अप्रैल - तिथि 4 - सोमवार
दिवा - रात्रि लग्न
1 मई - तिथि 8 - शुक्रवार
2 मई - तिथि 9 - शनिवार
दिवा लग्न
4 मई - तिथि 12 - सोमवार
दिवा रात्रि लग्न
5 मई - तिथि 13 - भौमवार
दिवा लग्न
6 मई - तिथि 14 बुधवार
दिवा लग्न

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
8 मई से 22 मई 2020

10 मई - तिथि 3 रविवार
दिवा - रात्रि लग्न
17 मई - तिथि 10 रविवार
18 मई - तिथि 11 - सोमवार
19 मई - तिथि 12 - भौमवार

आषाढ़ कृष्ण पक्ष
6 जून से 21 जून 2020

14 जून - तिथि 9 - रविवार

आषाढ़ शुक्ल पक्ष
22 जून से 5 जुलाई 2020

25 जून - तिथि 4 गुरुवार
दिवा लग्न
27 जून - तिथि 7 - शनिवार
28 जून - तिथि 8 रविवार
दिवा-रात्रि लग्न
30 जून - तिथि 10 भौमवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष
16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2020

30 नवम्बर - तिथि 15 - सोमवार
दिवा-रात्रि लग्न

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
1 दिसम्बर से 14 दिसम्बर 2020

1 दिसम्बर - तिथि 1 - भौमवार
दिवा - रात्रि लग्न
9 दिसम्बर - तिथि 9 - बुधवार
11 दिसम्बर - तिथि 11 - शुक्रवार

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त

29 मार्च, 3 अप्रैल, 9 अप्रैल, 27 अप्रैल,
28 अप्रैल, 3 मई, 27 मई, 1 जून,
7 जून, 10 जून, 25 जून

चौल (मुण्डन) मुहूर्त

9 अप्रैल, 27 अप्रैल, 29 अप्रैल
27 मई, 1 जून, 10 जून

वधू प्रवेश द्विरागमन मुहूर्त

(पूर्व/उत्तर दिशा)
17 अप्रैल, 20 अप्रैल, 25 अप्रैल
29 अप्रैल, 4 मई

पश्चिम / दक्षिण दिशा

10 दिसम्बर, 11 दिसम्बर

गृहारम्भ मुहूर्त

1 जून, 29 जुलाई, 30 जुलाई
30 नवम्बर

गृह प्रवेश मुहूर्त

समग्रतः

20 अप्रैल, 27 अप्रैल, 8 मई, 18 मई

भद्रा - कतिपय शंकाओं का निवारण

तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण से समन्वित होकर पंचांग निर्मित होता है। भद्रा इनमें से एक करण की संज्ञा है। भद्रा चंद्र राशि संचार गणना के अनुरूप भिन्न-भिन्न राशियों में संचरण करती है। भद्रा के प्रति एक भय का भाव रहता है। जबकि प्रत्येक प्रकार की भद्रा शुभ कार्यों में न निषिद्ध होती है न ही अशुभ होती है।

प्रामाणिक एवं सर्व स्वीकार्य ग्रथ मुहूर्त चिन्तामणि में इसका विशद वर्गीकरण विवेचित है जो इस प्रकार है। -

1. चन्द्रमा के कर्क, सिंह, कुम्भ, मीन राशियों में संचरित होने पर ***भद्रा का वास पृथ्वी*** में होता है। यह भद्रा अशुभ फल कारक होती है।
2. चन्द्रमा के मेष, वृष, मिथुन, वृश्चिक राशियों में संचरित होने पर ***भद्रा का वास स्वर्ग लोक*** में होता है। स्वर्ग की भद्रा पृथ्वी पर अनिष्टकारी नहीं होगी।
3. चन्द्रमा के कन्या, तुला, धनु, मकर राशियों में गतिशील रहने पर ***भद्रा का वास पाताल*** में होता है। पाताल स्थित भद्रा पृथ्वी पर हानिकारक नहीं होती है।

अर्थात् प्रथम वर्गीकरण की पूर्ण उपेक्षा करते हुये शुभ कार्य करने से बचना चाहिये।

ग्रहण (2020 - 2021)

संवत् 2077 में होने वाले 3 चंद्र ग्रहण उपछाया होने के कारण व दृष्ट या अदृष्ट होने पर भी कोई धार्मिक मान्यता नहीं रखते व इसमें वेध भी नहीं होता है।

(1) ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा, शुक्रवार 5 जून 2020 का उपछाया चंद्रग्रहण दृष्ट होगा।

(2) आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, रविवार 5 जुलाई 2020 का उपछाया चंद्र ग्रहण दृष्ट नहीं होगा।

(3) कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा, सोमवार 30 नवम्बर 2020 का उपछाया चंद्रग्रणह दृष्ट होगा।

संवत 2077 में विश्व में 2 सूर्य ग्रहण होंगे।

21 जून 2020 - कंकणाकृति खण्ड ग्रास सूर्य ग्रहण आषाढ़ कृष्ण 30 अमावस्या, रविवार, मृगशीर्ष नक्षत्र, मिथुन राशि में लगेगा । भारतीय मानक समयानुसार दिन 10/30 पर स्पर्श, मध्य दिन 12/17 पर तथा मोक्ष दिन 2/4 पर होगा। ग्रहण वेध 20 जून रात्रि 9/21 से लगेगा। भारत में अधिकतम स्थलों पर दृष्ट होगा।

विभिन्न राशियों पर ग्रहण फल -

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
लाभ	हानि	घात	व्यय	लाभ	सुख	माननाश	मृत्युसम कष्ट	स्त्री कष्ट	सुख	चिन्ता	व्यथा

(3) 14 दिसम्बर 2020 - खग्रास सूर्य ग्रहण मार्गशीर्ष कृष्ण 30 अमावस्या सोमवार को लगेगा किन्तु ***भारत में दृष्ट न होने के कारण*** इसका कोई धार्मिक या ज्योतिषीय महत्व नहीं होगा।

ग्रहण सूतक विचार - धर्मशास्त्रानुसार सूर्य ग्रहण में 12 घण्टे पूर्व तथा चंद्र ग्रहण में 9 घण्टे पूर्व सूतक प्रारम्भ होता है। इसमें बालक, वृद्ध व अस्वस्थ के अतिरिक्त सभी हेतु भोजन का निषेध है। ग्रहण काल में धार्मिक कृत्य यथा श्राद्ध आदि भी अनुमन्य है। ग्रहण काल में जपित मन्त्र सिद्धिप्रद होता है।

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
25	बुध	5/57	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 3/53	रेवती	रात्रि 5/48	ब्रह्म	दिन 2/40		मेष रात्रि 5/48 पर	***वासंतीय नवरात्रारम्भ,*** घटस्थापन दिन 10/1 तक या अभिजित मूहूर्त दिन 11/36 से दिन 12/25 तक, ***शैल पुत्री दर्शन, पंचक समाप्त रात्रि शेष 5/48,*** गुड़ी पड़वा
26	गुरु	5/56	2	द्वितीया	सायं 5/55	अश्विनी	समग्र	ऐन्द्र	दिन 3/12			***ब्रह्मचारिणी दर्शन, श्री झूलेलाल जयन्ती***
27	शुक्र	5/55	3	तृतीया	रात्रि 7/41	अश्विनी	दिन 8/13	वैधृति	दिन 3/33			***चंद्रघण्टा दर्शन, गणगौरी 3 व्रतम् (राजस्थान),*** मत्स्यावतार 3, सौभाग्य शयन 3 व्रतम्
28	शनि	5/54	4	चतुर्थी	रात्रि 9/5	भरणी	दिन 10/21	विष्कुम्भ	दिन 3/38	दिन 8/23 से रात्रि 9/5 तक	वृष सायं 4/47पर	***कूष्माण्डा दर्शन,*** वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् ,
29	रवि	5/54	5	पंचमी	रात्रि 10/3	कृत्तिका	दिन 12/3	प्रीति	दिन 3/22			***स्कन्दमाता दर्शन,*** श्री पंचमी, मीनावतार 5 पंचमी
30	सोम	5/53	6	षष्ठी	रात्रि 10/30	रोहिणी	दिन 1/18	आयुष्मान	दिन 2/45		मिथुन रात्रि 1/41पर	***कात्यायिनी दर्शन,*** स्कन्द षष्ठी पूजन
31	मंगल	5/52	7	सप्तमी	रात्रि 10/24	मृगशीर्ष	दिन 2/2	सौभाग्य	दिन1/42	रात्रि 10/24 से		***कालरात्रि दर्शन, महानिशा पूजन अष्टमी (रात्रि व्यापिनी)***
1	बुध	5/51	8	अष्टमी	रात्रि 9/49	आर्द्रा	दिन 2/16	शोभन	दिन 12/16	दिन 10/6 तक		***महागौरी दर्शन, श्री दुर्गाष्टमी,***
2	गुरु	5/51	9	नवमी	रात्रि 8/46	पुनर्वसु	दिन 2/2	अतिगण्ड	दिन 10/27		कर्क दिन 8/6 पर	***सिद्धिदात्री दर्शन, महानवमी, श्री राम नवमी, मध्यान्ह कर्क लग्न में रामावतार, नवरात्र पूर्ण, नवरात्र पारण दिन 3/2 से सूर्यास्त तक***
3	शुक्र	5/50	10	दशमी	रात्रि 7/18	पुष्य	दिन 1/23	सुकर्मा	दिन 8/17			***मतान्तर से नवरात्र पारण प्रातः***
4	शनि	5/49	11	एकादशी	सायं 5/30	आश्लेषा	दिन 12/24	धृति शूल	प्रातः 5/50 रात्रि 3/9	प्रातः 6/23 से सायं 5/30 तक	सिंह दिन 12/24पर	***कामदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
5	रवि	5/48	12	द्वादशी	दिन 3/25	मघा	दिन 11/7	गण्ड	रात्रि 12/15			एकादशी पारण प्रातः 8/16 तक, ***प्रदोष 13 व्रतम्, अनङ्ग त्रयोदशी 3,***
6	सोम	5/48	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 1/8	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 9/37	वृद्धि	रात्रि 9/13		कन्या दिन 3/13 पर	***श्री महावीर जयन्ती,***
7	मंगल	5/47	14	चतुर्दशी	दिन 10/44	उत्तराफाल्गुनी	दिन 7/59	ध्रुव	सायं 6/8	दिन 10/44 से रात्रि 9/3 तक		व्रत 15 पूर्णिमा
8	बुध	5/46	15	पूर्णिमा	दिन 8/18	हस्त चित्रा	प्रातः 6/18 रात्रि 4/41	व्याघात	दिन 3/0		तुला सायं 5/29 पर	स्नान-दान 15 पूर्णिमा, ***वैशाख स्नान, दान, व्रत, यम, नियम प्रारम्भ***

अमृतसिद्धि योग - ता0 30 दिन 1/18 से, ता0 2 दिन 2/2 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 26 समग्र, ता0 27 दिन 8/13 तक, ता0 30 समग्र, ता0 2 समग्र / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 31 दिन 2/2 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 31 दिन 2/2 से, ता0 5 दिन 11/7 तक / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 27 दिन 8/13 से, ता0 28 दिन 10/21 तक, ता0 29 दिन 12/3 से, ता0 30 दिन 1/18 तक, ता0 31 दिन 9/8 से दिन 2/2 तक, ता0 2 दिन 2/2 से ता0 4 दिन 12/24 तक, ता0 6 दिन 9/37 से, ता0 7 दिन 9/59 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 29 दिन 12/3 से, ता0 2 दिन 2/2 तक, ता0 4 दिन 12/24 तक, ता0 6 दिन 1/8 तक

सूर्य मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 31 मार्च से रेवती / ***भौम*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़; 8 अप्रैल से श्रवण / ***बुध*** कुम्भस्थ, शतभिषा; 29 मार्च से पूर्वभाद्रपद; 5 अप्रैल से मीनस्थ; 7 अप्रैल से उत्तराभाद्रपद / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***शुक्र*** मेषस्थ, भरणी; 25 मार्च से कृत्तिका; 28 मार्च से वृषस्थ / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण / ***राहु*** मिथुनस्थ, आर्द्रा 1 चरण/ ***केतु*** धनुस्थ, मूल 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
9	गुरु	5/46	1 2	प्रतिपदा द्वितीया	प्रातः 5/54 रात्रि 3/39	स्वाती	रात्रि 3/9	हर्षण	दिन 11/57			प्रपादान, 1, घटादिदान प्रतिपदा
10	शुक्र	5/45	3	तृतीया	रात्रि 1/34	विशाखा	रात्रि 1/49	वज्र	दिन 9/1	दिन 2/36 से रात्रि 1/34 तक	वृश्चिक रात्रि 8/9 पर	
11	शनि	5/44	4	चतुर्थी	रात्रि 11/47	अनुराधा	रात्रि 12/46	सिद्धि व्यतिपात	प्रातः 6/15 रात्रि 3/45			संकष्टी गणेश 4 चतुर्थी व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 10/1
12	रवि	5/43	5	पंचमी	रात्रि 10/20	ज्येष्ठा	रात्रि 12/3	वरीयान	रात्रि 1/31		धनु रात्रि 12/3 पर	
13	सोम	5/43	6	षष्ठी	रात्रि 9/15	मूल	रात्रि 11/44	परिघ	रात्रि 11/39	रात्रि 9/15 से		***मेषस्थ सूर्य रात्रि 10/38 पर, मेष संक्रान्ति पुण्यकाल दिन 11/56 से सूर्यास्त तक, वैशाखी, सतुआ संक्रान्ति, खरमास समाप्त***
14	मंगल	5/42	7	सप्तमी	रात्रि 8/39	पूर्वाषाढ़	रात्रि 11/54	शिव	रात्रि 10/7	दिन 8/56 तक		
15	बुध	5/41	8	अष्टमी	रात्रि 8/33	उत्तराषाढ़	रात्रि 12/33	सिद्ध	रात्रि 8/59		मकर दिन 6/3 पर	शीतलाष्टमी 8
16	गुरू	5/41	9	नवमी	रात्रि 8/59	श्रवण	रात्रि 1/43	साध्य	रात्रि 8/17			
17	शुक्र	5/40	10	दशमी	रात्रि 9/55	धनिष्ठा	रात्रि 3/20	शुभ	रात्रि 7/58	दिन 9/26 से रात्रि 9/55 तक	कुम्भ दिन 2/31 पर	***पंचक प्रारम्भ दिन 2/31***
18	शनि	5/39	11	एकादशी	रात्रि 11/17	शतभिषा	रात्रि 5/24	शुक्ल	रात्रि 8/0			***वरुथिनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती***
19	रवि	5/39	12	द्वादशी	रात्रि 1/1	पूर्वाभाद्रपद	समग्र	ब्रह्म	रात्रि 8/19		मीन रात्रि 1/10पर	एकादशी व्रत पारण दिन 8/7 तक
20	सोम	5/38	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 3/1	पूर्वाभाद्रपद	दिन 7/45	ऐन्द्र	रात्रि 8/50	रात्रि 3/1 से		***सोम प्रदोष 13 व्रतम् (पुत्र प्राप्ति हेतु)***
21	मंगल	5/37	14	चतुर्दशी	रात्रि 5/6	उत्तराभाद्रपद	दिन 10/20	वैधृति	रात्रि 9/28	दिन 4/3 तक		मास शिवरात्रि 14 व्रतम
22	बुध	5/37	30	अमावस्या	समग्र	रेवती	दिन 12/57	विष्कुम्भ	रात्रि 10/3		मेष दिन 12/57पर	***पंचक समाप्त दिन 12/57,*** स्नान दिन, श्राद्ध अमावस्या 30
23	गुरु	5/36	30	अमावस्या	प्रातः 7/4	अश्विनी	दिन 3/25	प्रीति	रात्रि 10/29			स्नान, दान, अमावस्या 30, ***सतुआ अमावस्या 30***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 10 रात्रि 1/49 से, ता0 12 रात्रि 12/3 से, ता0 23 दिन 3/25 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 19 रात्रि 1/1 तक / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 12 रात्रि 12/3 से, ता0 13 रात्रि 10/38 तक, ता0 13 रात्रि 11/44 से, ता0 14 रात्रि 11/54 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 20 दिवस पर्यन्त, ता0 23 दिन 3/25 से

सूर्य मीनस्थ, रेवती; 13 अप्रैल से मेषस्थ, अश्विनी / ***भौम*** मकरस्थ, श्रवण / ***बुध*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 14 अप्रैल से रेवती; 14 अप्रैल से पूर्वास्त; 21 अप्रैल से मेषस्थ, अश्विनी / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण; 11 अप्रैल से उत्तराषाढ़ 3 चरण / ***शुक्र*** वृषस्थ, कृत्तिका; 9 अप्रैल से रोहिणी / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण / ***राहु*** मिथुनस्थ, आर्द्रा 1 चरण/ ***केतु*** धनुस्थ, मूल 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
24	शुक्र	5/35	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 8/48	भरणी	सायं 5/37	आयुष्मान	रात्रि 10/41		वृष सायं 12/5 पर	
25	शनि	5/35	2	द्वितीया	दिन 10/11	कृत्तिका	रात्रि 7/26	सौभाग्य	रात्रि 10/33			***प्रदोषे परशुराम जयन्ती***
26	रवि	5/34	3	तृतीया	दिन 11/6	रोहिणी	रात्रि 8/48	शोभन	रात्रि 10/4	रात्रि 11/19 से		***रोहिणी योगवती अक्षय तृतीया,*** वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
27	सोम	5/33	4	चतुर्थी	दिन 11/31	मृगशीर्ष	रात्रि 9/38	अतिगण्ड	रात्रि 9/9	दिन 11/31 तक	मिथुन दिन 9/13 पर	
28	मंगल	5/33	5	पंचमी	दिन 11/24	आर्द्रा	रात्रि 9/58	सुकर्मा	रात्रि 7/51			***आद्यजगद्गुरू श्री शंकराचार्य जयन्ती 5***
29	बुध	5/32	6	षष्ठी	दिन 10/46	पुनर्वसु	रात्रि 9/50	धृति	सायं 6/8		कर्क दिन 3/52 पर	***श्री रामानुजाचार्य जयन्त, 6 गंगा सप्तमी (मध्यान्ह व्यापिनी)***
30	गुरु	5/31	7	सप्तमी	दिन 9/40	पुष्य	रात्रि 9/15	शूल	दिन 4/5	दिन 9/40 से रात्रि 8/56 तक		
1	शुक्र	5/31	8	अष्टमी	दिन 8/12	आश्लेषा	रात्रि 8/22	गण्ड	दिन 1/45		सिंह रात्रि 8/22 पर	***बगलामुखी जयन्ती 8 जानकी नवमी (मध्यान्ह व्यापिनी)***
2	शनि	5/30	9 10	नवमी दशमी	प्रातः 6/21 रात्रि 4/17	मघा	रात्रि 7/8	वृद्धि	दिन 11/7			
3	रवि	5/30	11	एकादशी	रात्रि 1/59	पूर्वाफाल्गुनी	सायं 5/42	ध्रुव व्याघात	प्रातः 8/18 रात्रि 5/20	दिन 3/8 से रात्रि 1/59 तक	कन्या रात्रि 11/18 पर	***मोहिनी एकादशी 11 व्रतम् स्मार्तानाम्***
4	सोम	5/29	12	द्वादशी	रात्रि 11/34	उत्तराफाल्गुनी	सायं 4/5	हर्षण	रात्रि 2/16			***मोहिनी एकादशी 11 व्रतम् वैष्णवानाम्, स्मार्त व्रत पारण दिन 7/58 तक***
5	मंगल	5/28	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 9/5	हस्त	दिन 2/24	वज्र	रात्रि 11/9		तुला रात्रि 1/35 पर	***भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋण मुक्ति हेतु)***
6	बुध	5/28	14	चतुर्दशी	सायं 6/41	चित्रा	दिन 12/46	सिद्धि	रात्रि 8/7	सायं 6/41 से		***नृसिंह जयन्ती चतुर्दशी 14*** (मध्यान्ह प्रदोषव्यापिनी) छिन्नमस्ता जयंती, व्रत 15 पूर्णिमा
7	गुरु	5/27	15	पूर्णिमा	सायं 4/23	स्वाती	दिन 11/12	व्यतिपात	सायं 5/10	प्रातः 5/32 तक	वृश्चिक रात्रि 4/11 पर	स्नान,दान,व्रत पूर्णिमा 15, ***श्री राधारमण जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा, वैशाख स्नान, दान, व्रत, यम, नियम समाप्त,***

अमृतसिद्धि योग - ता0 26 रात्रि 7/36 से, ता0 27 रात्रि 9/38 तक, ता0 30 रात्रि 9/15 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 25 रात्रि 7/26 से, ता0 27 रात्रि 9/38 तक, ता0 30 रात्रि 9/15 तक, ता0 3 सायं 5/42 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 25 दिन 10/11 तक, ता0 3 रात्रि 1/59 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** ता0 28 रात्रि 9/58 तक / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 25 रात्रि 7/26 से, ता0 26 रात्रि 8/48 तक, ता0 28 रात्रि 9/58 से, ता0 29 रात्रि 9/50 तक, ता0 1 रात्रि 8/22 से ता0 3 सायं 5/42 तक, ता0 5 दिन 2/24 से ता0 6 दिन 12/46 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 26 दिन 11/6 तक, ता0 3 सायं 5/42 से, ता0 7 दिन 11/12 तक

सूर्य मेषस्थ, अश्विनी; 27 अप्रैल से भरणी / ***भौम*** मकरस्थ, श्रवण; 29 अप्रैल से धनिष्ठा / ***बुध*** मेषस्थ, अश्विनी, अस्त; 28 अप्रैल से भरणी, 6 मई से कृत्तिका; 7 मई से वृषस्थ / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण / ***शुक्र*** वृषस्थ, रोहिणी; 7 मई से मृगशीर्ष / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण; 5 मई से वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, आर्द्रा 1 चरण; 1 मई से मृगशीर्ष 4 चरण / ***केतु*** धनुस्थ, मूल 3 चरण; 1 मई से मूल 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
8	शुक्र	5/27	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 2/17	विशाखा	दिन 9/49	वरीयान	दिन 2/22			
9	शनि	5/26	2	द्वितीया	दिन 12/26	अनुराधा	दिन 8/42	परिघ	दिन 11/48	रात्रि 11/42 से		
10	रवि	5/25	3	तृतीया	दिन 10/57	ज्येष्ठा	दिन 7/56	शिव	दिन 9/33	दिन 10/57 तक	धनु दिन 7/56 पर	संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम, चंद्रोदय रात्रि 9/48
11	सोम	5/25	4	चतुर्थी	दिन 9/52	मूल	दिन 7/32	सिद्ध	दिन 7/37			
12	मंगल	5/24	5	पंचमी	दिन 9/15	पूर्वाषाढ़	दिन 7/34	साध्य शुभ	प्रातः 6/2 रात्रि 4/52		मकर दिन 1/43 पर	
13	बुध	5/24	6	षष्ठी	दिन 9/6	उत्तराषाढ़	दिन 8/8	शुक्ल	रात्रि 4/6	दिन 9/6 से रात्रि 9/18 तक		
14	गुरू	5/23	7	सप्तमी	दिन 9/30	श्रवण	दिन 9/11	ब्रह्म	रात्रि 3/44		कुम्भ रात्रि 9/57 पर	***वृषस्थ सूर्य रात्रि 8/56 पर, वृष संक्रान्ति पुण्य काल दिन 11/51 से सूर्यास्त पर्यन्त, पंचक प्रारम्भ रात्रि 9/57***
15	शुक्र	5/23	8	अष्टमी	दिन 10/23	धनिष्ठा	दिन 10/43	ऐन्द्र	रात्रि 3/43			शीतलाष्टमी 8
16	शनि	5/22	9	नवमी	दिन 11/43	शतभिषा	दिन 12/41	वैधृति	रात्रि 4/1	रात्रि 12/35 से		
17	रवि	5/22	10	दशमी	दिन 1/26	पूर्वाभाद्रपद	दिन 3/2	विष्कुम्भ	रात्रि 4/32	दिन 1/26 तक	मीन दिन 8/26 पर	
18	सोम	5/21	11	एकादशी	दिन 3/23	उत्तराभादप्रद	सायं 5/35	प्रीति	रात्रि 5/11			***अपरा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
19	मंगल	5/21	12	द्वादशी	सायं 5/27	रेवती	रात्रि 8/13	आयुष्मान	समग्र		मेष रात्रि 8/13 पर	एकादशी पारण प्रातः 7/53 तक, ***पंचक समाप्त रात्रि 8/13***
20	बुध	5/20	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 7/25	अश्विनी	रात्रि 10/46	आयुष्मान	प्रातः 5/50	रात्रि 7/25 से		***प्रदोष 13 व्रतम्*** , मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
21	गुरु	5/20	14	चतुर्दशी	रात्रि 9/9	भरणी	रात्रि 1/2	सौभाग्य	प्रातः 6/21	दिन 8/17 तक		
22	शुक्र	5/20	30	अमावस्या	रात्रि 10/31	कृत्तिका	रात्रि 2/57	शोभन	प्रातः 6/39		वृष रात्रि 7/31 पर	***स्नान, दान, श्राद्ध 30 अमावस्या, वट सावित्री व्रतम् 30***

अमृतसिद्धि योग - ता0 19 रात्रि 8/13 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 8 दिन 9/49 से, ता0 10 दिन 7/56 से, ता0 17 दिन 3/2 से, ता0 19 रात्रि 8/13 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 14 दिन 9/11 से दिन 9/30 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** ता0 21 रात्रि 1/2 से, ता0 22 रात्रि 2/57 से / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 13 दिन 8/8 से ता0 14 दिन 9/11 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 17 दिन 3/2 से ता0 18 दिन 3/23 तक

सूर्य मेषस्थ, भरणी; 11 मई से कृत्तिका; 14 मई से वृषस्थ / ***भौम*** मकरस्थ, धनिष्ठा; 9 मई से कुम्भस्थ; 19 मई से शतभिषा / ***बुध*** वृषस्थ, कृत्तिका, अस्त, 13 मई से रोहिणी; 13 मई से पश्चिमोदय; 21 मई से मृगशीर्ष / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण; 14 मई से वक्री / ***शुक्र*** वृषस्थ, मृगशीर्ष; 8 मई से वक्री; 10 मई से वक्र गति रोहिणी / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण, वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 4 चरण / ***केतु*** धनुस्थ, मूल 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
23	शनि	5/19	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 11/24	रोहिणी	रात्रि 4/24	अतिगण्ड	प्रातः 6/36			*गंगा दशहरा प्रारम्भ, दशाश्वमेध दस दिवसीय स्नान प्रारम्भ,*
24	रवि	5/19	2	द्वितीया	रात्रि 11/49	मृगशीर्ष	समग्र	सुकर्मा	प्रातः 6/14		मिथुन सायं 4/52 पर	सोपपदा द्वितीया
25	सोम	5/18	3	तृतीया	रात्रि 11/41	मृगशीर्ष	प्रातः 5/22	धृति शूल	प्रातः 5/26 रात्रि 4/14			रम्भा व्रतम् 3
26	मंगल	5/18	4	चतुर्थी	रात्रि 11/5	आर्द्रा	प्रातः 5/49	गण्ड	रात्रि 2/39	दिन 11/23से रात्रि 11/5 तक	कर्क रात्रि 11/47पर	अङ्गारकी वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
27	बुध	5/18	5	पंचमी	रात्रि 9/59	पुनर्वसु	प्रातः 5/47	वृद्धि	रात्रि 12/43			
28	गुरू	5/17	6	षष्ठी	रात्रि 8/29	पुष्य आश्लेषा	प्रातः 5/18 रात्रि 4/30	ध्रुव	रात्रि 10/26		सिंह रात्रि 4/30 पर	***शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ दिन 4/21***
29	शुक्र	5/17	7	सप्तमी	सायं 6/39	मघा	रात्रि 3/20	व्याघात	रात्रि 7/54	सायं 6/39 से		
30	शनि	5/16	8	अष्टमी	सायं 4/32	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 1/55	हर्षण	सायं 5/8	प्रातः 5/36 तक		
31	रवि	5/16	9	नवमी	दिन 2/14	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 12/21	वज्र	दिन 2/13		कन्या दिन 7/32 पर	***शुक्रास्त पश्चिम दिन 4/21***
1	सोम	5/16	10	दशमी	दिन 11/48	हस्त	रात्रि 10/42	सिद्धि	दिन 11/12	रात्रि 10/33 से		***गंगा दशहरा 10***
2	मंगल	5/16	11	एकादशी	दिन 9/19	चित्रा	रात्रि 9/3	व्यतिपात वरीयान	प्रातः 8/8 रात्रि 5/7	दिन 9/19 तक	तुला दिन 9/53 पर	***निर्जला एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् , भीमसेनी एकादशी***
3	बुध	5/15	12 13	द्वादशी त्रयोदशी	प्रातः 6/52 रात्रि 4/33	स्वाती	रात्रि 7/27	परिघ	रात्रि 2/9			***प्रदोष 13 व्रतम्***, एकादशी पारण प्रातः 6/52 तक,
4	गुरु	5/15	14	चतुर्दशी	रात्रि 2/25	विशाखा	सायं 6/3	शिव	रात्रि 11/22	रात्रि 2/25 से	वृश्चिक दिन 12/24 पर	
5	शुक्र	5/15	15	पूर्णिमा	रात्रि 12/33	अनुराधा	दिन 4/53	सिद्ध	रात्रि 8/48	दिन 1/29 तक		स्नान, दान, व्रत 15 पूर्णिमा, ***कबीर जयन्ती***

अमृतसिद्धि योग - ता0 23 देर रात्रि 4/24 तक, ता0 31 रात्रि 12/21 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 23 रात्रि 4/24 तक, ता0 31 रात्रि 12/21 से, ता0 4 सायं 6/3 से, ता0 5 दिन 4/53 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 23 देर रात्रि 4/24 से ता0 24 रात्रि 11/49 तक, ता0 2 दिन 9/19 से रात्रि 9/3 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** ता0 26 प्रातः 5/49 तक / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 25 प्रातः 5/22 से दिन 7/13 तक, ता0 26 प्रातः 5/49 से, ता0 27 प्रातः 5/47 तक, ता0 28 प्रातः 5/18 से देररात्रि 4/30 तक, ता0 30 रात्रि 1/55 से, ता0 1 रात्रि 10/42 तक, ता0 3 रात्रि 7/26 से ता0 4 सायं 6/3 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 23 दिवस पर्यन्त, ता0 31 दिन 2/14 तक, ता0 1 दिन 11/48 से दिवस पर्यन्त

सूर्य वृषस्थ, कृत्तिका; 25 मई से रोहिणी / ***भौम*** कुम्भस्थ, शतभिषा / ***बुध*** वृषस्थ, मृगशीर्ष; 25 मई से मिथुनस्थ; 30 मई से आर्द्रा / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण, वक्री / ***शुक्र*** वृषस्थ, रोहिणी, वक्री; 31 मई से पश्चिमास्त / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण, वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 4 चरण / ***केतु*** धनुस्थ, मूल 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
6	शनि	5/14	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 11/2	ज्येष्ठा	सायं 4/4	साध्य	सायं 6/31		धनु सायं 4/4 पर	
7	रवि	5/14	2	द्वितीया	रात्रि 9/54	मूल	दिन 3/34	शुभ	सायं 4/31			
8	सोम	5/14	3	तृतीया	रात्रि 9/14	पूर्वाषाढ़	दिन 3/31	शुक्ल	दिन 2/53	दिन 9/34 से रात्रि 9/14 तक	मकर रात्रि 9/37 पर	***शुक्रोदय पूर्व दिन 7/10,*** संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 9/26
9	मंगल	5/14	4	चतुर्थी	रात्रि 9/4	उत्तराषाढ़	दिन 3/56	ब्रह्म	दिन 1/39			
10	बुध	5/14	5	पंचमी	रात्रि 9/25	श्रवण	सायं 4/53	ऐन्द्र	दिन 12/48			
11	गुरू	5/13	6	षष्ठी	रात्रि 10/15	धनिष्ठा	सायं 6/20	वैधृति	दिन 12/23	रात्रि 10/15 से	कुम्भ प्रातः 5/36 पर	***शुक्र बालत्व निवृत्ति दिन 7/10, पंचक प्रारम्भ प्रातः 5/36***
12	शुक्र	5/13	7	सप्तमी	रात्रि 11/34	शतभिषा	रात्रि 8/13	विष्कुम्भ	दिन 12/18	दिन 10/55 तक		
13	शनि	5/13	8	अष्टमी	रात्रि 1/14	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 10/29	प्रीति	दिन 12/35		मीन दिन 3/55 पर	शीतलाष्टमी 8
14	रवि	5/13	9	नवमी	रात्रि 3/10	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 12/59	आयुष्मान	दिन 1/4			
15	सोम	5/13	10	दशमी	समग्र	रेवती	रात्रि 3/37	सौभाग्य	दिन 1/43	दिन 4/11 से	मेष रात्रि 3/37 पर	***मिथुनस्थ सूर्य दिन 7/1 पर, मिथुन संक्रान्ति पुण्य काल दिन 7/1 से दिन 1/24 तक, पंचक समाप्त रात्रि 3/37***
16	मंगल	5/13	10	दशमी	प्रातः 5/13	अश्विनी	समग्र	शोभन	दिन 2/24	प्रातः 5/13 तक		
17	बुध	5/13	11	एकादशी	दिन 7/10	अश्विनी	प्रातः 6/12	अतिगण्ड	दिन 2/58			***योगिनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् (कुष्ठादि से निवृत्ति हेतु)***
18	गुरु	5/13	12	द्वादशी	दिन 8/54	भरणी	दिन 8/32	सुकर्मा	दिन 3/20		वृष दिन 3/2 पर	***प्रदोष 13 व्रतम्*** , एकादशी पारण प्रातः 7/53 तक
19	शुक्र	5/13	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 10/16	कृत्तिका	दिन 10/32	धृति	दिन 3/23	दिन 10/16 से रात्रि 10/43 तक		मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
20	शनि	5/13	14	चतुर्दशी	दिन 11/10	रोहिणी	दिन 12/5	शूल	दिन 3/5		मिथुन रात्रि 12/37 पर	श्राद्ध 30 अमावस्या
21	रवि	5/13	30	अमावस्या	दिन 11/37	मृगशीर्ष	दिन 1/11	गण्ड	दिन 2/24			स्नान, दान, अमावस्या 30, ***खण्ड सूर्य ग्रहण***

अमृतसिद्धि योग - ता0 16 समग्र, ता0 20 दिन 12/5 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 7 दिन 3/34 तक, ता0 14 रात्रि 12/59 तक, ता0 16 समग्र, ता0 20 दिन 12/5 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 18 दिन 8/32 से दिन 8/54 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** ता0 18 दिन 8/32 से, ता0 19 दिन 10/32 से / ***रवि योग (सर्वदोष नाशक)*** - ता0 11 सायं 6/20 से ता0 12 रात्रि 8/13 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 8 दिन 3/31 से, ता0 14 दिवस पर्यन्त

सूर्य वृषस्थ, रोहिणी; 8 जून से मृगशीर्ष; 15 जून से मिथुनस्थ / ***भौम*** कुम्भस्थ, शतभिषा; 9 जून से पूर्वाभाद्रपद / ***बुध*** मिथुनस्थ, आर्द्रा; 12 जून से वक्री / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण, वक्री; 18 जून से उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***शुक्र*** वृषस्थ, रोहिणी, वक्री, अस्त; 6 जून से कृत्तिका; 8 जून से पूर्वोदय; 19 जून से मार्गी / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण, वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 4 चरण / ***केतु*** धनुस्थ, मूल 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
22	सोम	5/13	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 11/31	आर्द्रा	दिन 1/45	वृद्धि	दिन 1/18			
23	मंगल	5/13	2	द्वितीया	दिन 10/55	पुनर्वसु	दिन 1/49	ध्रुव	दिन 11/47		कर्क दिन 7/48 पर	***रथयात्रा 2 द्वितीया, जगन्नाथ रथयात्रा (पुरी), श्री राम बलराम सुभद्रा रथोत्सव***
24	बुध	5/13	3	तृतीया	दिन 9/50	पुष्य	दिन 1/26	व्याघात	दिन 9/55	रात्रि 9/6 से		मध्यान्ह व्यापिनी वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्
25	गुरू	5/13	4	चतुर्थी	दिन 8/21	आश्लेषा	दिन 12/41	हर्षण	दिन 7/43	दिन 8/2तक	सिंह दिन 12/41 पर	
26	शुक्र	5/13	5 6	पंचमी षष्ठी	प्रातः 6/33 रात्रि 4/27	मघा	दिन 11/36	वज्र सिद्धि	प्रातः 5/16 रात्रि 2/33			
27	शनि	5/13	7	सप्तमी	रात्रि 2/8	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 10/14	व्यतिपात	रात्रि 11/40	रात्रि 2/8 से	कन्या दिन 3/51 पर	
28	रवि	5/13	8	अष्टमी	रात्रि 11/41	उत्तराफाल्गुनी	दिन 8/41	वरीयान	रात्रि 8/39	दिन12/54तक		
29	सोम	5/13	9	नवमी	रात्रि 9/11	हस्त	दिन 7/3	परिघ	सायं 5/36		तुला सायं 6/13पर	
30	मंगल	5/13	10	दशमी	सायं 6/45	चित्रा स्वाती	प्रातः 5/23 रात्रि 3/47	शिव	दिन 2/35			सोपपदा दशमी 10
1	बुध	5/13	11	एकादशी	सायं 4/24	विशाखा	रात्रि 2/19	सिद्ध	दिन 11/37	प्रातः 5/35 से दिन 4/24 तक	वृश्चिक रात्रि 8/41पर	***विष्णु शयनी एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, चातुर्मास्य व्रतारम्भ***
2	गुरु	5/14	12	द्वादशी	दिन 2/16	अनुराधा	रात्रि 1/6	साध्य	दिन 8/49			***प्रदोष 13 व्रतम्,*** एकादशी पारण दिन 10/39 से दिन 1/22 तक
3	शुक्र	5/14	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 12/22	ज्येष्ठा	रात्रि 12/11	शुभ शुक्ल	प्रातः 6/12 रात्रि 3/51		धनु रात्रि 12/11पर	
4	शनि	5/14	14	चतुर्दशी	दिन 10/48	मूल	रात्रि 11/36	ब्रह्म	रात्रि 1/48	दिन 10/48से रात्रि 10/12तक		व्रत 15 पूर्णिमा
5	रवि	5/14	15	पूर्णिमा	दिन 9/39	पूर्वाषाढ़	रात्रि 11/27	ऐन्द्र	रात्रि 12/6			स्नान, दान, 15 पूर्णिमा, ***व्यास 15 गुरू पूजन पूर्णिमा, सन्यासी चातुर्मास्य प्रारम्भ***

अमृतसिद्धि योग - ता0 28 दिन 8/41 से, ता0 1 रात्रि 2/19 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 28 समग्र, ता0 1 रात्रि 2/19 से, ता0 2 रात्रि 1/6 तक, ता0 5 रात्रि 11/27 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 23 दिन 10/55 तक, ता0 27 दिन 10/14 से रात्रि 2/8 तक / ***रवि योग (सर्व दोषनाषक)*** - ता0 24 दिन 1/26 से ता0 25 दिन 12/41 तक, ता0 26 दिन 11/36 से ता0 27 दिन 10/14 तक, ता0 29 दिन 7/3 से ता0 30 देर रात्रि 3/47 तक, ता0 2 रात्रि 1/6 से ता0 3 रात्रि 12/11 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 25 दिन 12/41 तक, ता0 27 दिन 10/14 से दिवस पर्यन्त, ता0 2 दिन 2/16 से

सूर्य मिथुनस्थ, मृगशीर्ष; 22 जून से आर्द्रा / ***भौम*** कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद; 25 जून से मीनस्थ; 1 जुलाई से उत्तराभाद्रपद / ***बुध*** मिथुनस्थ, आर्द्रा, वक्री; 22 जून से पश्चिमास्त, 29 जून से मृगशीर्ष; 4 जुलाई से मार्गी / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण, वक्री / ***शुक्र*** वृषस्थ, कृत्तिका; 5 जुलाई से रोहिणी / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण, वक्री; 24 जून से उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 4 चरण; 2 जुलाई से मृगशीर्ष 3 चरण / ***केतु*** धनुस्थ, मूल 2 चरण; 2 जुलाई से मूल 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
6	सोम	5/14	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 8/55	उत्तराषाढ़	रात्रि 11/46	वैधृति	रात्रि 10/47		मकर प्रातः 5/32पर	***प्रथम श्रावण सोमवार व्रतम्*** , अशून्य शयन व्रतम 2 चंद्रोदय रात्रि 8/5
7	मंगल	5/15	2	द्वितीया	दिन 8/42	श्रवण	रात्रि 12/36	विष्कुम्भ	रात्रि 9/53	रात्रि 8/51 से		
8	बुध	5/15	3	तृतीया	दिन 9/0	धनिष्ठा	रात्रि 1/56	प्रीति	रात्रि 9/23	दिन 9/0 तक	कुम्भ दिन 1/16 पर	संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम, ***पंचक प्रारम्भ दिन 1/16,*** चंद्रोदय रात्रि 9/32
9	गुरू	5/15	4	चतुर्थी	दिन 9/49	शतभिषा	रात्रि 3/43	आयुष्मान	रात्रि 9/14			
10	शुक्र	5/15	5	पंचमी	दिन 11/4	पूर्वाभाद्रपद	समग्र	सौभाग्य	रात्रि 9/26		मीन रात्रि 11/22 पर	
11	शनि	5/16	6	षष्ठी	दिन 12/44	पूर्वाभाद्रपद	प्रातः 5/55	शोभन	रात्रि 9/54	दिन 11/44 से रात्रि 1/41 तक		
12	रवि	5/16	7	सप्तमी	दिन 2/38	उत्तराभादप्रद	दिन 8/22	अतिगण्ड	रात्रि 10/31			भानु सप्तमी
13	सोम	5/16	8	अष्टमी	सायं 4/41	रेवती	दिन 11/0	सुकर्मा	रात्रि 11/13		मेष दिन 11/0 पर	***पंचक समाप्त दिन 11/0, द्वितीया श्रावण सोमवार व्रतम्***
14	मंगल	5/17	9	नवमी	सायं 6/38	अश्विनी	दिन 1/35	धृति	रात्रि 11/48			
15	बुध	5/17	10	दशमी	रात्रि 8/23	भरणी	सायं 4/0	शूल	रात्रि 12/13	दिन 7/31 से रात्रि 8/23 तक	वृष रात्रि 10/31 पर	
16	गुरु	5/17	11	एकादशी	रात्रि 9/47	कृत्तिका	सायं 6/5	गण्ड	रात्रि 12/20			***कामदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, कर्कस्थ सूर्य रात्रि 10/29 पर, कर्क संक्रान्ति पुण्य काल दिन 10/29 से सूर्यास्त तक, दक्षिणायन प्रारम्भ***
17	शुक्र	5/18	12	द्वादशी	रात्रि10/44	रोहिणी	रात्रि 7/44	वृद्धि	रात्रि 12/6			एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/1 तक
18	शनि	5/18	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 11/11	मृगशीर्ष	रात्रि 8/56	ध्रुव	रात्रि 11/29	रात्रि 11/11 से	मिथुन दिन 8/20 पर	***शनि प्रदोष 13 व्रतम् (संतान सुख प्राप्ति हेतु),*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
19	रवि	5/18	14	चतुर्दशी	रात्रि 11/7	आर्द्रा	रात्रि 9/37	व्याघात	रात्रि 10/27	दिन 11/9 तक		
20	सोम	5/19	30	अमावस्या	रात्रि 10/34	पुनर्वसु	रात्रि 9/49	हर्षण	रात्रि 9/2		कर्क दिन 3/46 पर	***स्नान, दान, श्राद्ध अमावस्या 30, तृतीय श्रावण सोमवार व्रतम् , हरियाली 30***

अमृतसिद्धि योग - ता0 14 दिन 1/35 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 6 रात्रि 11/46 से, ता0 12 दिन 8/22 तक, ता0 14 दिन 1/35 तक, ता0 15 सायं 4/0 से, ता0 20 रात्रि 9/49 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 16 सायं 6/5 तक, ता0 17 रात्रि 7/44 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 11 प्रातः 5/55 से ता0 12 दिन 8/22 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 11 दिन 12/44 से, ता0 12 दिन 2/38 तक

सूर्य मिथुनस्थ, आर्द्रा; 6 जुलाई से पुनर्वसु; 16 जुलाई से कर्कस्थ; 20 जुलाई से पुष्य / ***भौम*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद / ***बुध*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष, अस्त; 9 जुलाई से पूर्वोदय; 10 जुलाई से आर्द्रा / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण, वक्री; 15 जुलाई से धनुस्थ; 15 जुलाई से उत्तराषाढ़ 1 चरण / ***शुक्र*** वृषस्थ, रोहिणी / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 3 चरण/ ***केतु*** धनुस्थ, मूल 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
21	मंगल	5/19	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 9/31	पुष्य	रात्रि 9/32	वज्र	रात्रि 7/13			
22	बुध	5/20	2	द्वितीया	रात्रि 8/4	आश्लेषा	रात्रि 8/51	सिद्धि	सायं 5/5		सिंह रात्रि 8/51 पर	
23	गुरू	5/20	3	तृतीया	सायं 6/17	मघा	रात्रि 7/49	व्यतिपात	दिन 2/40	रात्रिशेष 5/14 से		ठकुराइन जयन्ती 3, मधुश्रवा तृतीया
24	शुक्र	5/21	4	चतुर्थी	दिन 4/13	पूर्वाफाल्गुनी	सायं 6/32	वरीयान	दिन 12/1	दिन 4/13 तक	कन्या रात्रि 12/9 पर	वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
25	शनि	5/21	5	पंचमी	दिन 1/55	उत्तराफाल्गुनी	सायं 5/1	परिघ	दिन 9/8			***नाग पंचमी 5,*** गुड़िया 5
26	रवि	5/22	6	षष्ठी	दिन 11/30	हस्त	दिन 3/24	शिव सिद्ध	प्रातः 6/9 रात्रि 3/5		तुला रात्रि 2/33 पर	
27	सोम	5/22	7	सप्तमी	दिन 9/0	चित्रा	दिन 1/42	साध्य	रात्रि 12/2	दिन 9/0 से रात्रि 7/47 तक		***चतुर्थ श्रावण सोमवार व्रतम् , गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती 7 सप्तमी***
28	मंगल	5/23	8 9	अष्टमी नवमी	प्रातः 6/34 रात्रि 4/13	स्वाती	दिन 12/6	शुभ	रात्रि 9/3		वृश्चिक रात्रि 4/59 पर	
29	बुध	5/23	10	दशमी	रात्रि 2/3	विशाखा	दिन 10/36	शुक्ल	सायं 6/11			
30	गुरु	5/24	11	एकादशी	रात्रि 12/9	अनुराधा	दिन 9/19	ब्रह्म	दिन 3/31	दिन 1/6 से रात्रि 12/9 तक		***पुत्रदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
31	शुक्र	5/24	12	द्वादशी	रात्रि 10/33	ज्येष्ठा	दिन 8/18	ऐन्द्र	दिन 1/6		धनु दिन 8/18 पर	एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/4 तक,
1	शनि	5/25	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 9/23	मूल	दिन 7/39	वैधृति	दिन 10/59			***शनि प्रदोष 13 व्रतम् (संतान सुख प्राप्त्यर्थ)***
2	रवि	5/25	14	चतुर्दशी	रात्रि 8/38	पूर्वाषाढ़	दिन 7/23	विष्कुम्भ	दिन 9/11	रात्रि 8/38 से	मकर दिन 1/26 पर	
3	सोम	5/26	15	पूर्णिमा	रात्रि 8/23	उत्तराषाढ़	दिन 7/36	प्रीति	दिन 7/47	दिन 8/31 तक		***पंचम श्रावण सोमवार व्रतम्***, स्नान, दान, व्रत 15, श्रावणी उपाकर्म, ***रक्षा बन्धन 15, (दिन 1/21 से दिन 3/59 तक)***

अमृतसिद्धि योग - ता0 26 दिन 3/24 तक, ता0 29 दिन 10/36 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 21 रात्रि 9/32 से, ता0 26 दिन 3/24 तक, ता0 29 दिन 10/36 से, ता0 30 दिन 9/19 तक, ता0 2 दिन 7/23 से, ता0 3 दिन 7/36 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 26 दिन 3/24 से / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 25 सायं 5/1 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 23 रात्रि 7/49 से ता0 24 सायं 6/32 तक, ता0 25 सायं 5/1 से ता0 26 दिन 3/24 तक, ता0 28 दिन 12/6 से ता0 30 दिन 9/19 तक, ता0 1 दिन 7/39 से ता0 2 दिन 7/23 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 25 दिन 1/55 तक, ता0 26 दिन 11/30 से दिन 3/24 तक

सूर्य कर्कस्थ, पुष्य; 3 अगस्त से आश्लेषा / ***भौम*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 21 जुलाई से रेवती / ***बुध*** मिथुनस्थ, आर्द्रा; 23 जुलाई से पुनर्वसु; 29 जुलाई से कर्कस्थ; 31 जुलाई से पुष्य / ***गुरु*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण, वक्री / ***शुक्र*** वृषस्थ, रोहिणी; 25 जुलाई से मृगशीर्ष ; 1 अगस्त से मिथुनस्थ / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण, वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 3 चरण/ ***केतु*** धनुस्थ, मूल 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
4	मंगल	5/26	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 8/38	श्रवण	दिन 8/18	आयुष्मान	प्रातः 6/47		कुम्भ रात्रि 8/54पर	***पंचक प्रारम्भ रात्रि 8/54***
5	बुध	5/27	2	द्वितीया	रात्रि 9/27	धनिष्ठा	दिन 9/31	सौभाग्य	प्रातः 6/11			अशून्य शयन व्रतम् द्वितीया 2, चंद्रोदय रात्रि 8/6, विन्ध्याचल जयन्ती 2
6	गुरू	5/27	3	तृतीया	रात्रि 10/40	शतभिषा	दिन 11/11	शोभन	प्रातः 5/57	दिन 10/3 से रात्रि 10/40 तक		***कज्जरी 3 तृतीया***
7	शुक्र	5/28	4	चतुर्थी	रात्रि 12/19	पूर्वाभाद्रपद	दिन 1/18	अतिगण्ड	प्रातः 6/6		मीन प्रातः6/46 पर	***बहुला संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्,*** चद्रोदय रात्रि 9/13
8	शनि	5/29	5	पंचमी	रात्रि 2/13	उत्तराभाद्रपद	दिन 3/41	सुकर्मा	प्रातः 6/30			***भाई भिन्ना, भैंया पंचमी***
9	रवि	5/29	6	षष्ठी	रात्रि 4/16	रेवती	सायं 6/17	धृति	दिन 7/5	रात्रि शेष 4/16 से	मेष सायं 6/17पर	***पंचक समाप्त सायं 6/17, ललही छठ (पुत्र कामना हेतु), हल षष्ठी, चन्द्रोदय व्यापिनी चन्द्र षष्ठी व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 10/15***
10	सोम	5/30	7	सप्तमी	समग्र	अश्विनी	रात्रि 8/53	शूल	दिन 7/45	सायं 5/15 तक		
11	मंगल	5/30	7	सप्तमी	प्रातः 6/15	भरणी	रात्रि 11/20	गण्ड	दिन 8/21			***श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् स्मार्तानाम्*** (निशीथ काल रात्रि 11/43 से रात्रि 12/27 तक)
12	बुध	5/31	8	अष्टमी	दिन 8/2	कृत्तिका	रात्रि 1/30	वृद्धि	दिन 8/47		वृष प्रातः 5/53पर	***श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् वैष्णवानाम्***
13	गुरु	5/32	9	नवमी	दिन 9/28	रोहिणी	रात्रि 3/16	ध्रुव	दिन 8/57	रात्रि 9/57 से		***रोहिणी व्रतम्***
14	शुक्र	5/32	10	दशमी	दिन 10/27	मृगशीर्ष	रात्रि 4/35	व्याघात	दिन 8/46	दिन 10/27 तक	मिथुन दिन 3/56 पर	
15	शनि	5/33	11	एकादशी	दिन 10/58	आर्द्रा	रात्रि 5/22	हर्षण	दिन 8/13			***जया एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम, भारतीय स्वतंत्रता दिवस (74)***
16	रवि	5/33	12	द्वादशी	दिन 10/57	पुनर्वसु	समग्र	वज्र	दिन 7/16		कर्क रात्रि 11/36 पर	***प्रदोष 13 व्रतम्,*** एकादशी व्रत पारण दिन 8/8 तक
17	सोम	5/34	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 10/27	पुनर्वसु पुष्य	प्रातः 5/40 रात्रि 5/29	सिद्धि व्यतिपात	प्रातः 5/55 रात्रि 4/10	दिन 10/27 से रात्रि 9/57 तक		***सिंहस्थ सूर्य दिन 9/56 पर, सिंह संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से दिन 9/56 तक,*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
18	मंगल	5/35	14	चतुर्दशी	दिन 9/27	आश्लेषा	रात्रि 4/52	वरीयान	रात्रि 2/4		सिंह रात्रि 4/52 पर	श्राद्ध 30 अमावस्या
19	बुध	5/35	30	अमावस्या	दिन 8/3	मघा	रात्रि 3/57	परिघ	रात्रि 11/42			स्नान दान, श्राद्ध 30, ***कुशोत्पाटिनी अमावस्या 30***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 9 सायं 6/17 से, ता0 11 रात्रि 11/20 से, ता0 12 समग्र, ता0 17 प्रातः 5/40 से देर रात्रि 5/29 तक, ता0 18 देररात्रि 4/52 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 4 रात्रि 8/38 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 15 देर रात्रि 5/22 से, ता0 16 दिन 10/57 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 9 सायं 6/17 से ता0 10 रात्रि 8/53 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 8 दिवस पर्यन्त, ता0 16 दिन 10/57 से

सूर्य कर्कस्थ, आश्लेषा; 17 अगस्त से सिंहस्थ, मघा / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती / ***बुध*** कर्कस्थ, पुष्य; 7 अगस्त से पूर्वास्त; 8 अगस्त से आश्लेषा; 16 अगस्त से सिंहस्थ, मघा / ***गुरु*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण, वक्री; 10 अगस्त से पूर्वाषाढ़ 4 चरण / ***शुक्र*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष; 8 अगस्त से आर्द्रा / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण, वक्री; 4 अगस्त से धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 3 चरण/ ***केतु*** धनुस्थ, मूल 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
20	गुरु	5/36	1 2	प्रतिपदा द्वितीया	प्रातः 6/17 रात्रि 4/13	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 2/41	शिव	रात्रि 9/2			
21	शुक्र	5/37	3	तृतीया	रात्रि 1/58	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 1/13	सिद्ध	सायं 6/11		कन्या दिन 8/19 पर	*हरतालिका तृतीया 3 व्रतम्, वराहावतार 3 अपराह्ण*
22	शनि	5/37	4	चतुर्थी	रात्रि 11/33	हस्त	रात्रि 11/36	साध्य	दिन 3/10	दिन 12/45 से रात्रि 11/33 तक		*सिद्धि विनायक वरद गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्र दर्शन निषेध, चंद्रास्त रात्रि 9/2, ढेला चौथ*
23	रवि	5/38	5	पंचमी	रात्रि 9/6	चित्रा	रात्रि 9/55	शुभ	दिन 12/7		तुला दिन 10/46 पर	*ऋषि पंचमी, मध्यान्ह सप्तर्षि पूजन, शाकाहार*
24	सोम	5/39	6	षष्ठी	सायं 6/39	स्वाती	रात्रि 8/17	शुक्ल	दिन 9/2			*लोलार्क षष्ठी, सूर्य षष्ठी*
25	मंगल	5/39	7	सप्तमी	दिन 4/19	विशाखा	सायं 6/43	ब्रह्म ऐन्द्र	प्रातः 6/0 रात्रि 3/4	दिन 4/19 से रात्रि 3/14 तक	वृश्चिक दिन 1/7 पर	*महालक्ष्मी व्रतारम्भ 8*
26	बुध	5/40	8	अष्टमी	दिन 2/10	अनुराधा	सायं 5/22	वैधृति	रात्रि 12/20			*श्री राधाष्टमी 8, ज्येष्ठा देवी आवाहन*
27	गुरू	5/41	9	नवमी	दिन 12/14	ज्येष्ठा	दिन 4/16	विष्कुम्भ	रात्रि 9/50		धनु सायं 4/16 पर	*ज्येष्ठा देवी पूजन, श्री चन्द्र जयन्ती 9*
28	शुक्र	5/41	10	दशमी	दिन 10/40	मूल	दिन 3/33	प्रीति	रात्रि 7/38	रात्रि 10/4 से		*ज्येष्ठा देवी विसर्जन दिन 3/33 तक*
29	शनि	5/42	11	एकादशी	दिन 9/28	पूर्वाषाढ़	दिन 3/9	आयुष्मान	सायं 5/44	दिन 9/28 तक	मकर रात्रि 9/11 पर	*पद्मा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् , वामन द्वादशी 12 मध्यान्ह*
30	रवि	5/43	12	द्वादशी	दिन 8/44	उत्तराषाढ़	दिन 3/15	सौभाग्य	दिन 4/13			*प्रदोष 13 व्रतम् , एकादशी व्रत पारण दिन 8/11 तक*
31	सोम	5/43	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 8/27	श्रवण	दिन 3/49	शोभन	दिन 3/6		कुम्भ रात्रि 4/22 पर	*पंचक प्रारम्भ रात्रि 4/22*
1	मंगल	5/44	14	चतुर्दशी	दिन 8/42	धनिष्ठा	सायं 4/54	अतिगण्ड	दिन 2/22	दिन 8/42 से रात्रि 9/5 तक		*अनन्त चतुर्दशी 14, व्रत 15, प्रौष्ठपदी श्राद्ध 15, महालयारम्भ*
2	बुध	5/45	30	अमावस्या	दिन 9/30	शतभिषा	सायं 6/28	सुकर्मा	दिन 2/3			स्नान, दान पूर्णिमा, *प्रतिपदा श्राद्धम्*

अमृतसिद्धि योग - ता0 26 सायं 5/22 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 26 सायं 5/22 तक, ता0 30 दिन 3/15 तक, ता0 31 दिन 3/49 तक, / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 20 रात्रि 2/41 से देर रात्रि 4/13 तक, ता0 25 दिन 4/19 तक, ता0 29 दिन 3/9 से ता0 30 दिन 8/44 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 22 रात्रि 11/36 तक, ता0 24 रात्रि 8/ 17 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 21 रात्रि 1/13 से ता0 22 रात्रि 11/36 तक, ता0 23 रात्रि 9/55 से, ता0 24 रात्रि 8/17 तक, ता0 26 सायं 5/22 से ता0 28 दिन 3/33 तक, ता0 30 दिन 3/15 से ता0 31 प्रातः 6/20 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 30 दिन 3/15 तक

सूर्य सिंहस्थ, मघा; 31 अगस्त से पूर्वाफाल्गुनी / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती; 2 सितम्बर से वक्री / ***बुध*** सिंहस्थ, मघा, अस्त; 23 अगस्त से पूर्वाफाल्गुनी; 30 अगस्त से उत्तराफाल्गुनी; 1 सितम्बर से कन्यास्थ / ***गुरु*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़ 4 चरण, वक्री / ***शुक्र*** मिथुनस्थ, आर्द्रा; 22 अगस्त से पुनर्वसु; 31 अगस्त से कर्कस्थ / ***शनि*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण, वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 3 चरण/ ***केतु*** धनुस्थ, मूल 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
3	गुरु	5/46	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 10/43	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 8/28	धृति	दिन 2/5		मीन दिन 1/58 पर	***द्वितीया श्राद्धम्,*** अशून्यशयन व्रत 2, चंद्रोदय रात्रि 7/13
4	शुक्र	5/46	2	द्वितीया	दिन 12/21	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 10/47	शूल	दिन 2/24	रात्रि 1/18 से		***तृतीया श्राद्धम***
5	शनि	5/47	3	तृतीया	दिन 2/16	रेवती	रात्रि 1/21	गण्ड	दिन 2/56	दिन 2/16तक	मेष रात्रि 1/21 पर	***पंचक समाप्त रात्रि 1/21,*** संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम, चंद्रोदय रात्रि 8/15,
6	रवि	5/48	4	चतुर्थी	सायं 4/18	अश्विनी	रात्रि 3/58	वृद्धि	दिन 3/34			***चतुर्थी श्राद्धम्,***
7	सोम	5/48	5	पंचमी	सायं 6/20	भरणी	समग्र	ध्रुव	सायं 4/10			***पंचमी श्राद्धम् , भरणी श्राद्धम् (गया श्राद्ध फलम्) चंद्रषष्ठी व्रतम् ,*** चंद्रोदय पूजा रात्रि 9/19
8	मंगल	5/49	6	षष्ठी	रात्रि 8/9	भरणी	प्रातः 6/28	व्याघात	सायं 4/37	रात्रि 8/9 से	वृष दिन 1/2 पर	***षष्ठी श्राद्धम्***
9	बुध	5/50	7	सप्तमी	रात्रि 9/39	कृत्तिका	दिन 8/42	हर्षण	सायं 4/50	दिन 8/54 तक		***सप्तमी श्राद्धम्, महालक्ष्मी व्रतम् 8,*** चंद्रोदय पूजा रात्रि 10/34
10	गुरु	5/51	8	अष्टमी	रात्रि 10/49	रोहिणी	दिन 10/34	वज्र	सायं 4/43		मिथुन रात्रि 11/16 पर	***अष्टमी श्राद्धम्, जीवत्पुत्रिका व्रतम् 8*** (जिउतिया)
11	शुक्र	5/51	9	नवमी	रात्रि 11/15	मृगशीर्ष	दिन 11/59	सिद्धि	सायं 4/15			***नवमी श्राद्धम्, मातृ नवमी 9*** (अविधवा सौभाग्यवती श्राद्धम् , अन्वष्टका श्राद्धम्, जीवंत्पुत्रिका व्रत पारण प्रातः
12	शनि	5/52	10	दशमी	रात्रि 11/16	आर्द्रा	दिन 12/53	व्यतिपात	दिन 3/21	दिन 11/16 से रात्रि 11/16 तक		***दशमी श्राद्धम्,***
13	रवि	5/53	11	एकादशी	रात्रि 10/50	पुनर्वसु	दिन 1/17	वरीयान	दिन 2/5		कर्क दिन 7/12 पर	***एकादशी श्राद्धम्, इंदिरा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, रवि पुष्य योग दिन 1/17 से***
14	सोम	5/53	12	द्वादशी	रात्रि 9/53	पुष्य	दिन 1/12	परिघ	दिन 12/23			***द्वादशी श्राद्धम्,*** (संन्यासी, यति, ब्रह्मचारी, वैष्णव श्राद्धम) एकादशी व्रत पारण दिन 8/12 तक
15	मंगल	5/54	13	त्रयोदशी	रात्रि 8/30	आश्लेषा	दिन 12/41	शिव	दिन 10/19	रात्रि 8/30 से	सिंह दिन 12/41पर	***त्रयोदशी श्राद्धम्, मघा श्राद्धम् , भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋण मोचन हेतु), मास शिवरात्रि 14 व्रतम्***
16	बुध	5/55	14	चतुर्दशी	सायं 6/48	मघा	दिन 11/50	सिद्ध साध्य	प्रातः 7/59 रात्रि 5/20	दिन 7/40 तक		***चतुर्दशी श्राद्धम्*** (शस्त्र व दुर्घटना से मृत व्यक्तियों का श्राद्ध)
17	गुरु	5/56	30	अमावस्या	दिन 4/46	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 10/38	शुभ	रात्रि 2/29		कन्या दिन 4/16पर	स्नान दान, श्राद्ध 30, ***सर्वपित्र्यमाश्राद्धम्*** (पितृ विसर्जन अमावस्या), अज्ञात तिथि वालों का श्राद्ध, ***महालय समाप्त, कन्यास्थ सूर्य दिन 10/13 पर, कन्या संक्रान्ति पुण्य काल दिन 10/13 से दिन 4/37 तक, विश्वकर्मा पूजन***

अमृतसिद्धि योग - ता0 4 रात्रि 10/47 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग -*** ता0 4 रात्रि 10/47 से, ता0 6 रात्रि 3/58 तक, ता0 8 प्रातः 6/28 से ता0 9 समग्र, ता0 13 दिन 1/17 से ता0 14 दिन 1/12 तक, ता0 15 दिन 12/41 तक / ***त्रिपुष्कर योग -*** ता. 3 दिन 10/43 से रात्रि 8/28 तक, ता0 8 रात्रि 8/9 से ***/ रवियोग (सर्वदोषनाशक) -*** ता0 8 प्रातः 6/28 से ता0 9 दिन 8/42 तक ***/ यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 5 दिन 2/16 तक, ता0 7 सायं 6/20 तक, ता0 13 दिन 1/17 तक, ता0 17 दिन 4/46 से

सूर्य सिंहस्थ, पूर्वाफाल्गुनी; 13 सितम्बर से उत्तराफाल्गुनी; 19 सितम्बर से कन्यास्थ / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती, वक्री / ***बुध*** कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी, अस्त; 6 सितम्बर से पश्चिमोदय; 7 सितम्बर से हस्त; 15 सितम्बर से चित्रा / ***गुरु*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़ 4 चरण, वक्री; 15 सितम्बर से मार्गी / ***शुक्र*** कर्कस्थ, पुनर्वसु; 3 सितम्बर से पुष्य; 15 सितम्बर से आश्लेषा / ***शनि*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण, वक्री / ***राहु*** मिथुनस्थ, मृगशीर्ष 3 चरण; 3 सितम्बर से वृषस्थ, मृगशीर्ष 2 चरण / ***केतु*** धनुस्थ, मूल 1 चरण; 3 सितम्बर से वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 4 चतुर्थ चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
18	शुक्र	5/56	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 2/32	उत्तराफाल्गुनी	दिन 9/19	शुक्ल	रात्रि 11/29			
19	शनि	5/57	2	द्वितीया	दिन 12/9	हस्त	दिन 7/36	ब्रह्म	रात्रि 8/25		तुला सायं 6/46 पर	
20	रवि	5/58	3	तृतीया	दिन 9/43	चित्रा स्वाती	प्रातः 5/55 रात्रि 4/15	ऐन्द्र	सायं 5/17	रात्रि 8/29 से		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
21	सोम	5/59	4 5	चतुर्थी पंचमी	दिन 7/17 रात्रि 4/58	विशाखा	रात्रि 2/40	वैधृति	दिन 2/14	प्रातः 7/17तक	वृश्चिक रात्रि 9/4 पर	
22	मंगल	5/59	6	षष्ठी	रात्रि 2/49	अनुराधा	रात्रि 1/15	विष्कुम्भ	दिन 11/16			
23	बुध	6/0	7	सप्तमी	रात्रि 12/55	ज्येष्ठा	रात्रि 12/4	प्रीति	दिन 8/26	रात्रि 12/55 से	धनु रात्रि 12/4 पर	
24	गुरु	6/1	8	अष्टमी	रात्रि 11/22	मूल	रात्रि 11/16	आयुष्मान सौभाग्य	प्रातः 5/51 रात्रि 3/32	दिन 12/9 तक		
25	शुक्र	6/2	9	नवमी	रात्रि 10/11	पूर्वाषाढ़	रात्रि 10/47	शोभन	रात्रि 1/32		मकर रात्रि 4/46 पर	
26	शनि	6/2	10	दशमी	रात्रि 9/28	उत्तराषाढ़	रात्रि 10/46	अतिगण्ड	रात्रि 11/54			
27	रवि	6/3	11	एकादशी	रात्रि 9/12	श्रवण	रात्रि 11/12	सुकर्मा	रात्रि 10/38	दिन 9/20 से रात्रि 9/12 तक		***कमला एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
28	सोम	6/4	12	द्वादशी	रात्रि 9/29	धनिष्ठा	रात्रि 12/10	धृति	रात्रि 9/48		कुम्भ दिन 11/41पर	एकादशी व्रत पारण दिन 8/13 तक, ***पंचक प्रारम्भ दिन 11/41***
29	मंगल	6/5	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 10/17	शतभिषा	रात्रि 1/38	शूल	रात्रि 9/21			***भौम प्रदोष 13 व्रतम्*** (ऋण मोचन हेतु)
30	बुध	6/5	14	चतुर्दशी	रात्रि 11/31	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 3/32	गण्ड	रात्रि 9/15	रात्रि 11/31से	मीन रात्रि 9/3 पर	
1	गुरु	6/6	15	पूर्णिमा	रात्रि 1/12	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 5/48	वृद्धि	रात्रि 9/30	दिन 12/22 तक		स्नान, दान, व्रत 15 पूर्णिमा

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 21 रात्रि 2/40 से, ता0 26 रात्रि 10/46 से, ता0 1 देर रात्रि 5/48 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 27 रात्रि 9/12 से ***/ यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 19 दिन 7/36 तक, ता0 21 रात्रि 2/40 तक, ता0 23 रात्रि 12/4 से ***/ रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 20 प्रातः 5/55 से देर रात्रि 4/15 तक, ता0 21 रात्रि 2/40 से ता0 22 रात्रि 1/15 तक, ता0 24 रात्रि 11/16 से ता0 26 रात्रि 10/46 तक, ता0 27 दिन 3/20 से रात्रि 11/12 तक, ता0 29 रात्रि 1/38 से ता0 30 रात्रि 3/32 तक ***/ यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 1 समग्र

सूर्य कन्यास्थ, उत्तराफाल्गुनी; 27 सितम्बर से हस्त / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती, वक्री / ***बुध*** कन्यास्थ, चित्रा; 20 सितम्बर से तुलास्थ, 22 सितम्बर से स्वाती / ***गुरु*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़ 4 चरण / ***शुक्र*** कर्कस्थ, आश्लेषा; 26 सितम्बर से सिंहस्थ, मघा / ***शनि*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण, वक्री; 28 सितम्बर से मार्गी / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 2 चरण/ ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
2	शुक्र	6/7	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 3/8	रेवती	समग्र	ध्रुव	रात्रि 9/56			
3	शनि	6/7	2	द्वितीया	रात्रि 5/12	रेवती	दिन 8/19	व्याघात	रात्रि 10/31		मेष दिन 8/19 पर	***पंचक समाप्त दिन 8/19***
4	रवि	6/8	3	तृतीया	समग्र	अश्विनी	दिन 10/57	हर्षण	रात्रि 11/8	सायं 6/15 से		
5	सोम	6/9	3	तृतीया	दिन 7/16	भरणी	दिन 1/29	वज्र	रात्रि 11/35	प्रातः 7/16 तक	वृष रात्रि 8/4 पर	संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि 7/54
6	मंगल	6/10	4	चतुर्थी	दिन 9/7	कृत्तिका	दिन 3/48	सिद्धि	रात्रि 11/52			
7	बुध	6/10	5	पंचमी	दिन 10/39	रोहिणी	सायं 5/46	व्यतिपात	रात्रि 11/48			
8	गुरु	6/11	6	षष्ठी	दिन 11/44	मृगशीर्ष	रात्रि 7/18	वरीयान	रात्रि 11/25	दिन 11/44 से रात्रि 12/2 तक	मिथुन प्रातः 6/32 पर	
9	शुक्र	6/12	7	सप्तमी	दिन 12/21	आर्द्रा	रात्रि 8/20	परिघ	रात्रि 10/37			
10	शनि	6/13	8	अष्टमी	दिन 12/26	पुनर्वसु	रात्रि 8/52	शिव	रात्रि 9/23		कर्क दिन 2/45 पर	
11	रवि	6/13	9	नवमी	दिन 12/1	पुष्य	रात्रि 8/55	सिद्ध	रात्रि 7/45	रात्रि 11/34 से		***रवि पुष्य योग रात्रि 8/55 तक***
12	सोम	6/14	10	दशमी	दिन 11/7	आश्लेषा	रात्रि 8/30	साध्य	सायं 5/47	दिन 11/7 तक	सिंह रात्रि 8/30 पर	
13	मंगल	6/15	11	एकादशी	दिन 9/47	मघा	रात्रि 7/43	शुभ	दिन 3/28			***कमला एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
14	बुध	6/15	12	द्वादशी	दिन 8/6	पूर्वाफाल्गुनी	सायं 6/36	शुक्ल	दिन 12/52		कन्या रात्रि 12/15पर	***प्रदोष 13 व्रतम्,*** एकादशी व्रत पारण दिन 8/6 तक
15	गुरु	6/16	13 14	त्रयोद्रशी चतुर्दशी	प्रातः 6/7 रात्रि 3/54	उत्तराफाल्गुनी	सायं 5/14	ब्रह्म	दिन 10/4	प्रातः 6/7 से रात्रि 5/1 तक		मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
16	शुक्र	6/17	30	अमावस्या	रात्रि 1/33	हस्त	दिन 3/40	ऐन्द्र वैधृति	प्रातः 7/5 रात्रि 3/59		तुला रात्रि 2/50 पर	स्नान, दान, श्राद्ध अमावस्या 30

अमृतसिद्धि योग - ता0 2 समग्र / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 2 समग्र, ता0 4 दिन 10/57 तक, ता0 6 दिन 3/48 तक, ता0 7 समग्र, ता0 9 रात्रि 8/20 से, ता0 11 रात्रि 8/55 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 8 दिन 11/44 से रात्रि 7/18 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 7 सायं 5/46 से ता0 8 रात्रि 7/18 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 4 दिन 10/57 से दिवस पर्यन्त, ता0 10 दिन 12/26 से, ता0 12 दिन 11/7 से

सूर्य कन्यास्थ, हस्त; 10 अक्टूबर से चित्रा / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती, वक्री; 11 अक्टूबर से उत्तराभाद्रपद / ***बुध*** तुलास्थ, स्वाती; 6 अक्टूबर से वक्री; 16 अक्टूबर से पश्चिमास्त, चित्रा / ***गुरु*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़ 4 चरण / ***शुक्र*** सिंहस्थ, मघा; 8 अक्टूबर से पूर्वाफाल्गुनी / ***शनि*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 2 चरण/ ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
17	शनि	6/18	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 11/9	चित्रा	दिन 2/1	विष्कुम्भ	रात्रि 12/51			*शारदीय नवरात्रारम्भ*, घट स्थापन दिन 9/47 तक या दिन 11/19 से दिन 12/4 तक, *शैलपुत्री दर्शन तुलास्थ सूर्य रात्रि 8/50 पर, तुला संक्रान्ति पुण्यकाल दिन 11/41 से सूर्यास्त तक*
18	रवि	6/18	2	द्वितीया	रात्रि 8/45	स्वाती	दिन 12/20	प्रीति	रात्रि 9/45		वृश्चिक रात्रिशेष 5/7पर	***ब्रह्मचारिणी दर्शन***
19	सोम	6/19	3	तृतीया	सायं 6/28	विशाखा	दिन 10/44	आयुष्मान	सायं 6/43	रात्रिशेष 5/24 से		***चंद्रघण्टा दर्शन***
20	मंगल	6/20	4	चतुर्थी	सायं 4/21	अनुराधा	दिन 9/17	सौभाग्य	दिन 3/50	दिन 4/21 तक		***कूष्माडा देवी दर्शन,*** अङ्गारकी वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्,
21	बुध	6/20	5	पंचमी	दिन 2/28	ज्येष्ठा	दिन 8/3	शोभन	दिन 1/9		धनु दिन 8/3 पर	***स्कन्द माता दर्शन,*** ललिता पंचमी, उपाङ्ग ललिता व्रतम्
22	गुरु	6/21	6	षष्ठी	दिन 12/58	मूल	दिन 7/10	अतिगण्ड	दिन 10/44			***कात्यायनी दर्शन***
23	शुक्र	6/22	7	सप्तमी	दिन 11/49	पूर्वाषाढ़	प्रातः 6/34	सुकर्मा	दिन 8/36	दिन 11/49 से रात्रि 11/28 तक	मकर दिन 12/31 पर	***कालरात्रि दर्शन, अर्धरात्रि भद्रकाली जन्म, निशीथ काल में महानिशा पूजन***
24	शनि	6/23	8	अष्टमी	दिन 11/7	उत्तराषाढ़	प्रातः 6/25	धृति शूल	प्रातः 6/50 रात्रि 5/26			***महादुर्गाष्टमी, महानवमी, संधि पूजन, महागौरी दर्शन,***
25	रवि	6/23	9	नवमी	दिन 10/54	श्रवण	प्रातः 6/45	गण्ड	रात्रि 4/26		कुम्भ रात्रि 7/10 पर	*सिद्धिदात्री दर्शन, नवरात्रपारण दिन 10/54 तक, नवरात्र विश्राम, विजयादशमी, शमी पूजन, खंजन दर्शन, नीलकण्ठ दर्शन, शस्त्र पूजन, अपराजिता पूजन, ध्वैजारोहण, सीमोल्लंघन, पंचक प्रारम्भ रात्रि 7/10*
26	सोम	6/24	10	दशमी	दिन 11/13	धनिष्ठा	दिन 7/35	वृद्धि	रात्रि 3/52	रात्रि 11/38 से		
27	मंगल	6/25	11	एकादशी	दिन 12/5	शतभिषा	दिन 8/57	ध्रुव	रात्रि 3/39	दिन 12/5 तक	मीन रात्रि 4/17 पर	***पापाङ्कुशा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्, भरत मिलाप***
28	बुध	6/25	12	द्वादशी	दिन 1/22	पूर्वाभाद्रपद	दिन 10/44	व्याघात	रात्रि 3/45			***प्रदोष 13 व्रतम्*** , एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/19 तक, ***पद्मनाभ द्वादशी 12***
29	गुरु	6/26	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 3/4	उत्तराभाद्रपद	दिन 12/56	हर्षण	रात्रि 4/8			
30	शुक्र	6/27	14	चतुर्दशी	सायं 5/4	रेवती	दिन 3/24	वज्र	रात्रि 4/40	सायं 5/4 से	मेष दिन 3/24 पर	***पंचक समाप्त दिन 3/24, शरद कोजागरी पूर्णिमा 15,*** लक्ष्मीन्द्र कुबेरादि पूजन
31	शनि	6/27	15	पूर्णिमा	रात्रि 7/11	अश्विनी	सायं 6/0	सिद्धि	रात्रि 5/15	प्रातः 6/8 तक		स्नान, दान, व्रत पूर्णिमा 15, ***वाल्मीकि जयन्ती, कार्तिक स्नान, दान, व्रत, यम, नियम प्रारम्भ,*** आकाशदीप दान

अमृतसिद्धि योग - ता0 30 दिन 3/24 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 17 दिन 2/1 से, ता0 19 दिन 10/44 से, ता0 24 प्रातः 6/25 से, ता0 29 दिन 12/56 से, ता0 30 दिन 3/24 से / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 18 दिन 12/20 से रात्रि 8/45 तक, ता0 27 दिन 12/5 से / ***यमघण्टयोग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 19 दिन 10/44 तक, ता0 21 दिन 8/3 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 19 दिन 10/44 से ता0 20 दिन 9/17 तक, ता0 21 दिन 8/3 से ता0 22 दिन 7/10 तक, ता0 24 प्रातः 6/25 से दिन 1/20 तक, ता0 25 प्रातः 6/45 से ता0 27 दिन 8/57 तक, ता0 29 दिन 12/56 से ता0 30 दिन 3/24 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 17 दिन 2/1 से, ता0 19 दिन 10/44 से सायं 6/28 तक, ता0 25 दिन 10/54 तक, ता0 29 दिन 3/4 तक

सूर्य कन्यास्थ, चित्रा; 17 अक्टूबर से तुलास्थ; 24 अक्टूबर से स्वाती / ***भौम*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद, वक्री / ***बुध*** तुलास्थ, चित्रा, वक्री, अस्त; 26 अक्टूबर से कन्यास्थ; 29 अक्टूबर से मार्गी; 30 अक्टूबर से पूर्वोदय/ ***गुरु*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़ 4 चरण; 21 अक्टूबर से उत्तराषाढ़ 1 चरण / ***शुक्र*** सिंहस्थ, पूर्वाफाल्गुनी; 19 अक्टूबर से उत्तराफाल्गुनी; 22 अक्टूबर से कन्यास्थ; 30 अक्टूबर से हस्त / ***शनि*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 2 चरण/ ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 4 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
1	रवि	6/28	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 9/17	भरणी	रात्रि 8/35	व्यतिपात	रात्रि 5/44		वृष रात्रि 3/11 पर	
2	सोम	6/29	2	द्वितीया	रात्रि 11/10	कृत्तिका	रात्रि 10/58	वरीयान	रात्रि 6/4			अशून्य शयन द्वितीया 2 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 6/31
3	मंगल	6/29	3	तृतीया	रात्रि 12/43	रोहिणी	रात्रि 1/2	परिघ	रात्रि 6/5	दिन 11/56 से रात्रि 12/43 तक		
4	बुध	6/30	4	चतुर्थी	रात्रि 1/48	मृगशीर्ष	रात्रि 2/40	शिव	रात्रि 5/45		मिथुन दिन 1/51 पर	***करक (करवा चौथ),*** संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्, चंद्रोदय रात्रि 7/57
5	गुरू	6/30	5	पंचमी	रात्रि 2/26	आर्द्रा	रात्रि 3/49	सिद्ध	रात्रि 5/1			
6	शुक्र	6/31	6	षष्ठी	रात्रि 2/33	पुनर्वसु	रात्रि 4/29	साध्य	रात्रि 3/54	रात्रि 2/33से	कर्क रात्रि 10/20 पर	
7	शनि	6/32	7	सप्तमी	रात्रि 2/10	पुष्य	रात्रि 4/40	शुभ	रात्रि 2/23	दिन 2/22 तक		
8	रवि	6/32	8	अष्टमी	रात्रि 1/16	आश्लेषा	रात्रि 4/22	शुक्ल	रात्रि 12/29		सिंह रात्रि 4/22 पर	***अहोई अष्टमी 8 व्रतम्*** , चंद्रोदय रात्रि 11/39, ***राधा अष्टमी,*** अरूणोदये श्री राधाकुण्ड स्नान
9	सोम	6/33	9	नवमी	रात्रि 11/58	मघा	रात्रि 3/39	ब्रह्म	रात्रि 10/15			
10	मंगल	6/34	10	दशमी	रात्रि 10/19	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 2/37	ऐन्द्र	रात्रि 7/46	दिन 11/9 से रात्रि 10/19 तक		
11	बुध	6/34	11	एकादशी	रात्रि 8/21	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 1/18	वैधृति	सायं 4/59		कन्या दिन 8/17 पर	***रम्भा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
12	गुरु	6/35	12	द्वादशी	सायं 6/11	हस्त	रात्रि 11/47	विष्कुम्भ	दिन 2/2			एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/25 तक, ***धन त्रयोदशी (धनतेरस), प्रदोष 13 व्रतम् , गोवत्स द्वादशी (प्रदोष व्यापिनी) धनवन्तरी त्रयोदशी, निशामुख दीपदान, यम पंचक प्रारम्भ***
13	शुक्र	6/35	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 3/51	चित्रा	रात्रि 10/8	प्रीति	दिन 10/57	दिन 3/51 से रात्रि 2/39 तक	तुला दिन 10/58पर	***नरक चतुर्दशी,*** चंद्रोदय व्यापिनी, मास शिवरात्रि 14 व्रतम्, ***गोत्रिरात्रि व्रतारम्भ,*** सायं मेष लग्न में ***हनुमज्जन्म, छोटी दीपावली***
14	शनि	6/36	14	चतुर्दशी	दिन 1/29	स्वाती	रात्रि 8/27	आयुष्मान सौभाग्य	प्रातः 7/49 रात्रि 4/40			***श्राद्ध 30, दीपावली 30 अमावस्या, लक्ष्मीन्द्र, गणेश, कुबेरादि पूजन, निशीथे महाकाली पूजन रात्रि 11/18 से रात्रि 12/11 तक***
15	रवि	6/36	30	अमावस्या	दिन 11/7	विशाखा	सायं 6/50	शोभन	रात्रि 1/34		वृश्चिक दिन 1/14पर	***स्नान, दान, अमावस्या 30, गोत्रिरात्रि व्रत समाप्ति, गोवर्धन पूजन, अन्नकूट 1***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 2 रात्रि 10/58 से, ता0 4 रात्रि 2/40 तक, ता0 5 रात्रि 3/49 से, ता0 6 रात्रि 4/29 तक, ता0 11 रात्रि 1/18 से, ता0 14 रात्रि 8/27 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 1 रात्रि 9/17 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 5 रात्रि 3/49 से ता0 6 रात्रि 8/32 तक, ता0 6 देर रात्रि 4/29 से ता0 7 रात्रि 4/40 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 1 रात्रि 8/35 तक

सूर्य तुलास्थ, स्वाती; 6 नवम्बर से विशाखा / ***भौम*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद, वक्री; 1 नवम्बर से मार्गी / ***बुध*** कन्यास्थ, चित्रा, 1 नवम्बर से तुलास्थ; 11 नवम्बर से स्वाती / ***गुरु*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण; 13 नवम्बर से मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***शुक्र*** कन्यास्थ, हस्त; 10 नवम्बर से चित्रा/ ***शनि*** धनुस्थ, उत्तराषाढ़ 1 चरण; 15 नवम्बर से मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 2 चरण; 5 नवम्बर से मृगशीर्ष 1 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 4 चरण; 5 नवम्बर से ज्येष्ठा 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
16	सोम	6/37	1	प्रतिपदा	दिन 8/52	अनुराधा	सायं 5/21	अतिगण्ड	रात्रि 10/38			*भ्रातृ द्वितीया (भइया दूज)*, भगिनी गृहे भोजनम्, अपराह्ण यम तर्पण, चित्रगुप्त पूजन, लेखिनी दावात पूजन, यमुना स्नान, *यम पंचक समाप्त, वृश्चिकस्थ सूर्य रात्रि 6/26 पर, वृश्चिक संक्रान्ति पुण्य काल दिन 11/41 से सूर्यास्त तक*
17	मंगल	6/37	2 3	द्वितीया तृतीया	प्रातः 6/47 रात्रि 4/56	ज्येष्ठा	सायं 4/2	सुकर्मा	रात्रि 7/51		धनु सायं 4/2 पर	
18	बुध	6/38	4	चतुर्थी	रात्रि 3/27	मूल	दिन 3/3	धृति	सायं 5/21	दिन 4/12 से रात्रि 3/27 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
19	गुरू	6/38	5	पंचमी	रात्रि 2/21	पूर्वाषाढ़	दिन 2/22	शूल	दिन 3/5		मकर रात्रि 8/18 पर	रवि षष्ठी व्रतारम्भ
20	शुक्र	6/39	6	षष्ठी	रात्रि 1/42	उत्तराषाढ़	दिन 2/7	गण्ड	दिन 1/11			*रवि षष्ठी व्रतम्, डाला छठ,* सायं सूर्य अर्घ्य दान, रात्रिशेष पुन अर्घ्य दान
21	शनि	6/39	7	सप्तमी	रात्रि 1/33	श्रवण	दिन 2/21	वृद्धि	दिन 11/39	रात्रि 1/33 से	कुम्भ रात्रि 2/42पर	रविषष्ठी व्रत पारण, ***पंचक प्रारम्भ रात्रि 2/42***
22	रवि	6/40	8	अष्टमी	रात्रि 1/56	धनिष्ठा	दिन 3/4	ध्रुव	दिन 10/31	दिन 1/45 तक		***गोपाष्टमी 8***
23	सोम	6/40	9	नवमी	रात्रि 2/50	शतभिषा	सायं 4/18	व्याघात	दिन 9/46			***अक्षय नवमी 9, आंवला वृक्ष के नीचे, भोजन, आंवला दान, तुलसी पूजन,***
24	मंगल	6/41	10	दशमी	रात्रि 4/11	पूर्वाभाद्रपद	सायं 5/59	हर्षण	दिन 9/25		मीन दिन 11/34 पर	
25	बुध	6/41	11	एकादशी	रात्रि 5/57	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 8/6	वज्र	दिन 9/25	सायं 5/4 से रात्रिशेष 5/57 तक		***प्रबोधिनी एकादशी 11 व्रतम् स्मार्त, भीष्म पंचक व्रतारम्भ, स्मार्त चातुर्मास्य व्रत, नियमादि समाप्त***
26	गुरु	6/42	12	द्वादशी	समग्र	रेवती	रात्रि 10/30	सिद्धि	दिन 9/43		मेष रात्रि 10/30पर	स्मार्त एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/32 तक, ***पंचक समाप्त रात्रि 10/30, प्रबोधिनी एकादशी 11 व्रतम वैष्णव,*** तुलसी विवाह 12, वैष्णव चातुर्मास्य व्रत यम नियम समाप्त
27	शुक्र	6/42	12	द्वादशी	दिन 8/0	अश्विनी	रात्रि 1/6	व्यतिपात	दिन 10/11			
28	शनि	6/42	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 10/9	भरणी	रात्रि 3/42	वरीयान	दिन 10/44			***वैकुण्ठ चतुर्दशी 14 व्रतम् (निशीथ व्यापिनी) निशीथ काल रात्रि 11/22 से रात्रि 12/15 तक***
29	रवि	6/43	14	चतुर्दशी	दिन 12/17	कृत्तिका	रात्रि 6/9	परिघ	दिन 11/15	दिन 12/17 से रात्रि 1/13 तक	वृष दिन 10/20 पर	व्रत पूर्णिमा 15, ***भीष्म पंचक व्रतम समाप्त, वैकुण्ठ चतुर्दशी पारण प्रातः***
30	सोम	6/43	15	पूर्णिमा	दिन 2/11	रोहिणी	समग्र	शिव	दिन 11/37			महाकार्तिकी स्नान, दान पूर्णिमा 15, ***(देव दीपावली), गुरु नानक जयन्ती, कार्तिक स्नान-व्रत-यम नियम समाप्त***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 16 सायं 5/21 तक, ता0 20 दिन 2/7 से, ता0 21 दिन 2/21 तक, ता0 24 सायं 5/59 से, ता0 26 समग्र, ता0 27 रात्रि 1/6 तक, ता0 30 समग्र / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 21 दिन 2/21 से रात्रि 1/33 तक ***/ यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 18 दिन 3/3 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 17 सायं 4/2 से ता0 18 दिन 3/3 तक, ता0 19 दिन 2/22 से रात्रि 1/27 तक, ता0 20 दिन 2/7 से ता0 21 दिन 2/21 तक, ता0 23 सायं 4/18 से ता0 25 रात्रि 8/6 तक, ता0 27 रात्रि 1/6 से ता0 28 रात्रि 3/42 तक ***/ यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 19 दिन 2/22 से, ता0 21 दिन 2/21 से, ता0 30 दिवस पर्यन्त

सूर्य तुलास्थ, विशाखा; 16 नवम्बर से वृश्चिकस्थ; 19 नवम्बर से अनुराधा / ***भौम*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 22 नवम्बर से रेवती / ***बुध*** तुलास्थ, स्वाती; 21 नवम्बर से विशाखा; 27 नवम्बर से वृश्चिकस्थ; 29 नवम्बर से अनुराधा; 30 नवम्बर से पूर्वास्त / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***शुक्र*** कन्यास्थ, चित्रा; 16 नवम्बर से तुलास्थ; 21 नवम्बर से स्वाती / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
1	मंगल	6/44	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 3/45	रोहिणी	दिन 8/20	सिद्ध	दिन 11/43		मिथुन रात्रि 9/12 पर	
2	बुध	6/44	2	द्वितीया	सायं 4/50	मृगशीर्ष	दिन 10/4	साध्य	दिन 11/28	रात्रिशेष 5/9 से		
3	गुरु	6/44	3	तृतीया	सायं 5/28	आर्द्रा	दिन 11/22	शुभ	दिन 10/53	सायं 5/28 तक	कर्क रात्रि 5/57पर	संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 7/36
4	शुक्र	6/45	4	चतुर्थी	सायं 5/34	पुनर्वसु	दिन 12/9	शुक्ल	दिन 9/54			
5	शनि	6/45	5	पंचमी	सायं 5/10	पुष्य	दिन 12/26	ब्रह्म	दिन 8/29			
6	रवि	6/45	6	षष्ठी	सायं 4/18	आश्लेषा	दिन 12/14	ऐन्द्र वैधृति	प्रातः 6/42 रात्रि 4/34	दिन 4/18 से रात्रि 3/38 तक	सिंह दिन 12/14पर	
7	सोम	6/45	7	सप्तमी	दिन 2/59	मघा	दिन 11/36	विष्कुम्भ	रात्रि 2/8			***प्रदोष व्यापिनी महाभैरवाष्टमी 8 व्रतम्***
8	मंगल	6/46	8	अष्टमी	दिन 1/21	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 10/41	प्रीति	रात्रि 11/27		कन्या सायं 4/22 पर	
9	बुध	6/46	9	नवमी	दिन 11/25	उत्तराफाल्गुनी	दिन 9/25	आयुष्मान	रात्रि 8/32	रात्रि 10/20 से		
10	गुरु	6/46	10	दशमी	दिन 9/16	हस्त चित्रा	प्रातः 7/57 रात्रि 6/19	सौभाग्य	सायं 5/30	रात्रि 9/16 तक	तुला रात्रि 7/8 पर	***उत्पन्ना एकादशी 11 व्रतम् स्मार्तानाम्***
11	शुक्र	6/46	11 12	एकादशी द्वादशी	प्रातः 6/57 रात्रि 4/35	स्वाती	रात्रि 4/38	शोभन	दिन 2/21			***उत्पन्ना एकादशी 11 व्रतम् वैष्णवानाम्,*** स्मार्त एकादशी व्रत पारण दिन 6/57 से दिन 8/40 तक
12	शनि	6/46	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 2/16	विशाखा	रात्रि 3/0	अतिगण्ड	दिन 11/12	रात्रि 2/16 से	वृश्चिक रात्रि 9/24 पर	***शनि प्रदोष 13 व्रतम्*** (सन्तान सुख प्राप्ति हेतु)
13	रवि	6/47	14	चतुर्दशी	रात्रि 12/4	अनुराधा	रात्रि 1/28	सुकर्मा धृति	दिन 8/5 रात्रि 5/4	दिन 1/11 तक		मासशिवरात्रि 14 व्रतम्
14	सोम	6/47	30	अमावस्या	रात्रि 10/2	ज्येष्ठा	रात्रि 12/7	शूल	रात्रि 2/13		धनु रात्रि 12/7पर	***स्नान, दान, श्राद्ध सोमवती 30 अमावस्या***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 2 दिन 10/4 तक, ता0 3 दिन 11/22 से, ता0 4 दिन 12/9 तक, ता0 9 दिन 9/25 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 1 दिन 3/45 से/ ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 6 दिन 12/14 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 6 दिन 12/14 से ता0 7 दिन 11/36 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 3 दिन 11/22 से सायं 5/28 तक, ता0 5 दिन 11/26 से सायं 5/10 तक

सूर्य वृश्चिकस्थ, अनुराधा; 2 दिसम्बर से ज्येष्ठा / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती / ***बुध*** वृश्चिकस्थ, अनुराधा, अस्त; 7 दिसम्बर से ज्येष्ठा / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण; 2 दिसम्बर से उत्तराषाढ़ 3 चरण / ***शुक्र*** तुलास्थ, स्वाती; 2 दिसम्बर से विशाखा; 10 दिसम्बर से वृश्चिकस्थ; 13 दिसम्बर से अनुराधा / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
15	मंगल	6/47	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 8/15	मूल	रात्रि 11/1	गण्ड	रात्रि 11/35			***धनुस्थ सूर्य रात्रिशेष 6/11 पर, खरमास प्रारम्भ***
16	बुध	6/47	2	द्वितीया	सायं 6/49	पूर्वाषाढ़	रात्रि 10/18	वृद्धि	रात्रि 9/14		मकर रात्रि 4/12 पर	***धनु संक्रान्ति पुण्य काल सूर्योदय से दिन 11/52 तक***
17	गुरू	6/47	3	तृतीया	सायं 5/45	उत्तराषाढ़	रात्रि 9/56	ध्रुव	रात्रि 7/11	रात्रि शेष 5/27से		
18	शुक्र	6/47	4	चतुर्थी	सायं 5/10	श्रवण	रात्रि 10/3	व्याघात	सायं 5/30	सायं 5/10 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
19	शनि	6/47	5	पंचमी	सायं 5/3	धनिष्ठा	रात्रि 10/40	हर्षण	दिन 4/12		कुम्भ दिन 10/21पर	*पंचक प्रारम्भ दिन 10/21, श्रीराम जानकी विवाहोत्सव पंचमी, कर्कटक नाग पंचमी, गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस*
20	रवि	6/47	6	षष्ठी	सायं 5/28	शतभिषा	रात्रि 11/46	वज्र	दिन 3/18			***स्कन्द षष्ठी, बलदेव-हलधर जयन्ती,***
21	सोम	6/47	7	सप्तमी	सायं 6/26	पूर्वाभाद्रपाद	रात्रि 1/21	सिद्धि	दिन 2/50	सायं 6/26 से	मीन सायं 6/58 पर	
22	मंगल	6/47	8	अष्टमी	रात्रि 7/50	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 3/23	व्यतिपात	दिन 2/41	प्रातः 7/8 तक		
23	बुध	6/47	9	नवमी	रात्रि 9/38	रेवती	रात्रि 5/45	वरीयान	दिन 2/52		मेष रात्रि 5/45पर	*पंचक समाप्त रात्रि 5/45,* नन्दा नवमी
24	गुरु	6/47	10	दशमी	रात्रि 11/41	अश्विनी	समग्र	परिघ	दिन 3/15			
25	शुक्र	6/47	11	एकादशी	रात्रि 1/53	अश्विनी	दिन 8/20	शिव	दिन 3/48	दिन 12/47 से रात्रि 1/53 तक		***मोक्षदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्,गीता जयन्ती***
26	शनि	6/47	12	द्वादशी	रात्रि 3/59	भरणी	दिन 10/57	सिद्ध	सायं 4/19		वृष सायं 5/35 पर	एकादशी व्रत पारण दिन 8/48 तक
27	रवि	6/47	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 5/53	कृत्तिका	दिन 1/28	साध्य	सायं 4/45			***प्रदोष 13 व्रतम***
28	सोम	6/47	14	चतुर्दशी	समग्र	रोहिणी	दिन 3/42	शुभ	सायं 4/56		मिथुन रात्रि 4/38 पर	
29	मंगल	6/47	14	चतुर्दशी	दिन 7/26	मृगशीर्ष	सायं 5/35	शुक्ल	सायं 4/50	प्रातः 7/26 से रात्रि 7/58 तक		व्रत 15 पूर्णिमा, ***दत्त जयन्ती 15 (प्रदोष व्यापिनी)***
30	बुध	6/47	15	पूर्णिमा	दिन 8/30	आर्द्रा	सायं 6/59	ब्रह्म	सायं 4/22			स्नान, दान, व्रत पूर्णिमा 15, ***षोडशी त्रिपुर सुन्दरी जयन्ती***

अमृतसिद्धि योग - ता0 28 दिन 3/42 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 18 रात्रि 10/3 तक, ता0 22 रात्रि 3/23 तक, ता0 24 समग्र, ता0 25 दिन 8/20 तक, ता0 28 समग्र / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 20 रात्रि 11/46 से, ता0 26 दिन 10/57 से रात्रि 3/59 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 29 सायं 5/35 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 17 रात्रि 9/56 से ता0 18 रात्रि 10/3 तक, ता0 19 रात्रि 10/40 से, ता0 20 रात्रि 11/46 तक, ता0 22 रात्रि 3/23 से, ता0 25 दिन 8/20 तक, ता0 27 दिन 1/28 से ता0 28 दिन 3/42 तक, ता0 29 प्रातः 7/1 से सायं 5/35 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 17 सायं 5/45 तक, ता0 19 सायं 5/3 तक, ता0 27 दिन 1/28 से

सूर्य वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा; 15 दिसम्बर से धनुस्थ, मूल; 29 दिसम्बर से पूर्वाषाढ़ / ***भौम*** मीनस्थ, रेवती; 29 दिसम्बर से मेषस्थ, अश्विनी / ***बुध*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा, अस्त; 15 दिसम्बर से धनुस्थ, मूल; 23 दिसम्बर से पूर्वाषाढ़ / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण; 18 दिसम्बर से उत्तराषाढ़ 4 चरण / ***शुक्र*** वृश्चिकस्थ, अनुराधा; 23 दिसम्बर से ज्येष्ठा / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 2 चरण; 20 दिसम्बर से उत्तराषाढ़ 3 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 3 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
31	गुरु	6/47	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 9/6	पुनर्वसु	रात्रि 7/55	ऐन्द्र	दिन 3/31		कर्क दिन 1/41 पर	
1	शुक्र	6/46	2	द्वितीया	दिन 9/9	पुष्य	रात्रि 8/17	वैधृति	दिन 2/13	रात्रि 8/56 से		***आंग्ल नववर्ष 2021 प्रारम्भ***
2	शनि	6/46	3	तृतीया	दिन 8/43	आश्लेषा	रात्रि 8/13	विष्कुम्भ	दिन 12/35	दिन 8/43 तक	सिंह रात्रि 8/13 पर	संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 8/26
3	रवि	6/46	4 5	चतुर्थी पंचमी	दिन 7/47 रात्रि 6/27	मघा	रात्रि 7/42	प्रीति	दिन 10/34			
4	सोम	6/46	6	षष्ठी	रात्रि 4/47	पूर्वाफाल्गुनी	सायं 6/52	आयुष्मान सौभाग्य	प्रातः 8/14 रात्रि 5/37	रात्रिशेष 4/47 से	कन्या रात्रि 12/34पर	
5	मंगल	6/46	7	सप्तमी	रात्रि 2/50	उत्तराफाल्गुनी	सायं 5/39	शोभन	रात्रि 2/46	दिन 3/49 तक		
6	बुध	6/45	8	अष्टमी	रात्रि 12/39	हस्त	सायं 4/14	अतिगण्ड	रात्रि 11/45		तुला रात्रि 3/26 पर	***रुक्मिणी अष्टमी 8***
7	गुरु	6/45	9	नवमी	रात्रि 10/21	चित्रा	दिन 2/38	सुकर्मा	रात्रि 8/38			
8	शुक्र	6/45	10	दशमी	रात्रि 7/59	स्वाती	दिन 12/58	धृति	सायं 5/27	दिन 9/9 से रात्रि 7/59 तक	वृश्चिक रात्रि 5/43 पर	
9	शनि	6/44	11	एकादशी	सायं 5/40	विशाखा	दिन 11/19	शूल	दिन 2/19			***सफला एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
10	रवि	6/44	12	द्वादशी	दिन 3/27	अनुराधा	दिन 9/44	गण्ड	दिन 11/15			***प्रदोष 13 व्रतम् , शनि पश्चिमास्त प्रातः 6/50,*** एकादशी पारण प्रातः 8/53 तक,
11	सोम	6/44	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 1/27	ज्येष्ठा	दिन 8/20	वृद्धि ध्रुव	दिन 8/19 रात्रि 5/36	दिन 1/27 से रात्रि 12/34 तक	धनु दिन 8/20 पर	मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
12	मंगल	6/43	14	चतुर्दशी	दिन 11/41	मूल पूर्वाषाढ़	प्रातः 7/11 रात्रि 6/23	व्याघात	रात्रि 3/9			श्राद्ध अमावस्या 30
13	बुध	6/43	30	अमावस्या	दिन 10/16	उत्तराषाढ़	रात्रि 5/55	हर्षण	रात्रि 12/59		मकर दिन 12/16 पर	स्नान, दान, अमावस्या 30

अमृतसिद्धि योग - ता0 31 रात्रि 7/55 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 31 समग्र / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 31 दिन 9/6 से रात्रि 7/55 तक, ता0 5 सायं 5/39 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 3 रात्रि 7/42 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 4 सायं 6/52 से ता0 5 सायं 5/39 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 7 दिन 2/35 से, ता0 9 दिन 11/19 से सायं 5/40 तक

सूर्य धनुस्थ, पूर्वाषाढ़; 11 जनवरी से उत्तराषाढ़ / ***भौम*** मेषस्थ, अश्विनी / ***बुध*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़, अस्त; 31 दिसम्बर से उत्तराषाढ़; 2 जनवरी से मकरस्थ; 8 जनवरी से पश्चिमोदय, श्रवण / ***गुरु*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 4 चरण; 2 जनवरी से श्रवण 1 चरण / ***शुक्र*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा; 3 जनवरी से धनुस्थ, मूल; 13 जनवरी से पूर्वाषाढ़ / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण; 10 जनवरी से पश्चिमास्त / ***राहु*** वृषस्थ, मृगशीर्ष 1 चरण; 6 जनवरी से रोहिणी 4 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 3 चरण; 6 जनवरी से ज्येष्ठा 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
14	गुरु	6/43	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 9/15	श्रवण	रात्रि 5/55	वज्र	रात्रि 11/10			*मकरस्थ सूर्य दिन 1/48 पर, मकर संक्रान्ति पुण्य काल दिन 1/48 से सूर्यास्त तक, खरमास समाप्त, दक्षिणायन समाप्त, उत्तरायण प्रारम्भ, प्रयागे त्रिवेणी संगम स्नान, गुरु वार्धक्य प्रारम्भ दिन 12/15*
15	शुक्र	6/42	2	द्वितीया	दिन 8/43	धनिष्ठा	रात्रि 6/23	सिद्धि	रात्रि 9/44		कुम्भ सायं 6/9 पर	***पंचक प्रारम्भ सायं 6/9***
16	शनि	6/42	3	तृतीया	दिन 8/39	शतभिषा	समग्र	व्यतिपात	रात्रि 8/42	रात्रि 8/54 से		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम,
17	रवि	6/41	4	चतुर्थी	दिन 9/8	शतभिषा	प्रातः 7/23	वरीयान	रात्रि 8/5	दिन 9/8 तक	मीन रात्रि 2/30 पर	***गुर्वस्त पश्चिम दिन 12/15***
18	सोम	6/41	5	पंचमी	दिन 10/7	पूर्वाभाद्रपद	दिन 8/53	परिघ	रात्रि 7/48			
19	मंगल	6/41	6	षष्ठी	दिन 11/34	उत्तराभाद्रपद	दिन 10/49	शिव	रात्रि 7/54			
20	बुध	6/40	7	सप्तमी	दिन 1/23	रेवती	दिन 1/6	सिद्ध	रात्रि 8/14	दिन 1/23से रात्रि 2/26 तक	मेष दिन 1/6 पर	***पंचक समाप्त दिन 1/6, गुरूगोविन्द सिंह जयन्ती***
21	गुरु	6/40	8	अष्टमी	दिन 3/28	अश्विनी	दिन 3/38	साध्य	रात्रि 8/45			
22	शुक्र	6/39	9	नवमी	सायं 5/39	भरणी	सायं 6/15	शुभ	रात्रि 9/18		वृष रात्रि 12/54 पर	
23	शनि	6/39	10	दशमी	रात्रि 7/45	कृत्तिका	रात्रि 8/49	शुक्ल	रात्रि 9/46			
24	रवि	6/38	11	एकादशी	रात्रि 9/36	रोहिणी	रात्रि 11/6	ब्रह्म	रात्रि 10/3	दिन 8/40 से रात्रि 9/36 तक		***पुत्रदा एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
25	सोम	6/38	12	द्वादशी	रात्रि 11/6	मृगशीर्ष	रात्रि 1/4	ऐन्द्र	रात्रि 10/4		मिथुन दिन 12/5 पर	एकादशी व्रत पारण प्रातः 8/55 तक
26	मंगल	6/37	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 12/7	आर्द्रा	रात्रि 2/34	वैधृति	रात्रि 9/42			***भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋण मोचन हेतु), भारतीय गणतंत्र दिवस (72)***
27	बुध	6/36	14	चतुर्दशी	रात्रि 12/40	पुनर्वसु	रात्रि 3/36	विष्कुम्भ	रात्रि 8/59	रात्रि 12/40 से	कर्क रात्रि 9/20 पर	
28	गुरु	6/36	15	पूर्णिमा	रात्रि 12/40	पुष्य	रात्रि 4/6	प्रीति	रात्रि 7/52	दिन 12/40 तक		स्नान, दान, व्रत पुष्य योगवती पौष पूर्णिमा 15, ***प्रयागे माघ स्नान व्रत-यम-नियम प्रारम्भ, प्रयागे त्रिवेणी संगम स्नान***

अमृतसिद्धि योग - ता0 23 रात्रि 8/49 से, ता0 25 रात्रि 1/4 तक, ता0 28 रात्रि 4/6 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 19 दिन 10/49 तक, ता0 21 दिन 3/38 तक, ता0 23 रात्रि 8/49 से, ता0 25 रात्रि 1/4 तक, ता0 28 रात्रि 4/6 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** - ता0 26 रात्रि 2/34 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 24 रात्रि 11/6 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 15 देर रात्रि 6/23 से ता0 17 प्रातः 7/23 तक, ता0 18 दिन 8/53 से ता0 19 दिन 10/49 तक, ता0 21 दिन 3/38 से ता0 23 रात्रि 8/49 तक, ता0 24 दिन 8/43 से रात्रि 11/6 तक, ता0 26 रात्रि 2/34 से ता0 27 रात्रि 3/36 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 21 दिन 3/38 से, ता0 24 दिवस पर्यन्त

सूर्य धनुस्थ, उत्तराषाढ़; 14 जनवरी से मकरस्थ; 24 जनवरी से श्रवण / ***भौम*** मेषस्थ, अश्विनी; 25 जनवरी से भरणी / ***बुध*** मकरस्थ, श्रवण; 21 जनवरी से धनिष्ठा; 28 जनवरी से वक्री / ***गुरु*** मकरस्थ, श्रवण 1 चरण; 16 जनवरी से श्रवण 2 चरण; 17 जनवरी से पश्चिमास्त / ***शुक्र*** धनुस्थ, पूर्वाषाढ़; 24 जनवरी से उत्तराषाढ़; 27 जनवरी से मकरस्थ / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 3 चरण; अस्त, 17 जनवरी से उत्तराषाढ़ 4 चरण/ ***राहु*** वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
29	शुक्र	6/35	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 12/10	आश्लेषा	रात्रि 4/8	आयुष्मान	सायं 6/20		सिंह रात्रि 4/8 पर	
30	शनि	6/35	2	द्वितीया	रात्रि 11/12	मघा	रात्रि 3/41	सौभाग्य	दिन 4/27			
31	रवि	6/34	3	तृतीया	रात्रि 9/49	पूर्वाफाल्गुनी	रात्रि 2/53	शोभन	दिन 2/12	दिन 10/30 से रात्रि 9/49 तक		
1	सोम	6/34	4	चतुर्थी	रात्रि 8/6	उत्तराफाल्गुनी	रात्रि 1/46	अतिगण्ड	दिन 11/42		कन्या दिन 8/37 पर	संकृष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 9/21
2	मंगल	6/33	5	पंचमी	सायं 6/6	हस्त	रात्रि 12/23	सुकर्मा धृति	दिन 8/56 रात्रि 5/58			
3	बुध	6/32	6	षष्ठी	दिन 3/53	चित्रा	रात्रि 10/48	शूल	रात्रि 2/53	दिन 3/53 से रात्रि 2/44 तक	तुला दिन 11/35 पर	
4	गुरु	6/32	7	सप्तमी	दिन 1/34	स्वाती	रात्रि 9/10	गण्ड	रात्रि 11/44			***श्री स्वामी रामानन्दाचार्य जयन्ती***
5	शुक्र	6/32	8	अष्टमी	दिन 11/11	विशाखा	रात्रि 7/29	वृद्धि	रात्रि 8/34		वृश्चिक दिन 1/54 पर	
6	शनि	6/31	9 10	नवमी दशमी	दिन 8/51 रात्रि 6/39	अनुराधा	सायं 5/53	ध्रुव	सायं 5/27	रात्रि 7/45 से रात्रिशेष 6/39तक		
7	रवि	6/30	11	एकादशी	रात्रि 4/38	ज्येष्ठा	दिन 4/25	व्याघात	दिन 2/30		धनु सायं 4/25 पर	***षटतिला एकादशी 11 व्रतम् स्मार्त,*** तिल स्नान-दान-होम-भोजन
8	सोम	6/29	12	द्वादशी	रात्रि 2/52	मूल	दिन 3/11	हर्षण	दिन 11/42			***षटतिला एकादशी 11 व्रतम् वैष्णव, तिलोत्पत्ति द्वादशी 12,*** स्मार्त एकादशी 11 व्रत पारण दिन 8/51 तक
9	मंगल	6/29	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 1/29	पूर्वाषाढ़	दिन 2/19	वज्र	दिन 9/10	रात्रि 1/29 से	मकर रात्रि 8/11 पर	***भौम प्रदोष 13 व्रतम् (ऋण मोचन हेतु)***
10	बुध	6/28	14	चतुर्दशी	रात्रि 12/29	उत्तराषाढ़	दिन 1/46	सिद्धि व्यतिपात	प्रातः 6/54 रात्रि 4/59	दिन 12/58 तक		***शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ दिन 12/58 से,*** मास शिवरात्रि 14 व्रतम्
11	गुरु	6/27	30	अमावस्या	रात्रि 11/57	श्रवण	दिन 1/38	वरीयान	रात्रि 3/25		कुम्भ रात्रि 1/49 पर	***मौनी अमावस्या 30,*** स्नान-दान-श्राद्ध 30, ***प्रयागे त्रिवेणी संगम स्नान, पंचक प्रारम्भ रात्रि 1/49***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 31 रात्रि 2/53 से, ता0 5 रात्रि 7/29 से, ता0 7 दिन 4/25 से **/** ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 2 रात्रि 12/23 से ता0 3 रात्रि 10/48 तक **/** ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 4 दिन 1/34 तक

सूर्य मकरस्थ, श्रवण; 6 फरवरी से धनिष्ठा / ***भौम*** मेषस्थ, भरणी / ***बुध*** मकरस्थ, धनिष्ठा, वक्री; 3 फरवरी से पश्चिमास्त; 4 फरवरी से श्रवण / ***गुरु*** मकरस्थ, श्रवण 2 चरण, अस्त; 30 जनवरी से श्रवण 3 चरण / ***शुक्र*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़; 4 फरवरी से श्रवण / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 4 चरण, अस्त / ***राहु*** वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
12	शुक्र	6/27	1	प्रतिपदा पड़िवा	रात्रि 11/57	धनिष्ठा	दिन 2/1	परिघ	रात्रि 2/16			शनि पूर्वोदय रात्रि 11/59, ***कुम्भस्थ सूर्य रात्रि 12/32 पर***
13	शनि	6/26	2	द्वितीया	रात्रि 12/27	शतभिषा	दिन 2/52	शिव	रात्रि 1/31			***शुक्रास्त पूर्व दिन 12/58 पर, कुम्भ संक्रान्ति पुण्य काल सूर्योदय से दिन 12/10 तक***
14	रवि	6/25	3	तृतीया	रात्रि 1/27	पूर्वाभाद्रपद	दिन 4/15	सिद्ध	रात्रि 1/9		मीन दिन 9/54 पर	
15	सोम	6/25	4	चतुर्थी	रात्रि 2/55	उत्तराभाद्रपद	सायं 6/5	साध्य	रात्रि 1/10	दिन 2/11 से रात्रि 2/55 तक		***गुरु उदय पूर्व दिन 10/45,*** वैनायकी अङ्गारकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्
16	मंगल	6/24	5	पंचमी	रात्रि 4/44	रेवती	रात्रि 8/18	शुभ	रात्रि 1/27		मेष रात्रि 8/18 पर	***पंचक समाप्त रात्रि 8/18, श्री वसन्त पंचमी 5, श्री वागेश्वरी जयन्ती, श्री पंचमी, वसन्तोत्सव, प्रयागे त्रिवेणी संगम स्नान***
17	बुध	6/23	6	षष्ठी	समग्र	अश्विनी	रात्रि 10/47	शुक्ल	रात्रि 1/55			
18	गुरु	6/23	6	षष्ठी	दिन 6/47	भरणी	रात्रि 1/25	ब्रह्म	रात्रि 2/30			***गुरु बालत्व समाप्त दिन 10/45***
19	शुक्र	6/22	7	सप्तमी	दिन 8/56	कृत्तिका	रात्रि 3/59	ऐन्द्र	रात्रि 3/1	दिन 8/56 से रात्रि. 9/58 तक	वृष दिन 8/2 पर	***रथ सप्तमी, अचला सप्तमी, सूर्य रथोत्सव, अरूणोदय स्नान, आरोग्य पुत्र सप्तमी, भानु सप्तमी, प्रयागे त्रिवेणी संगम स्नान,***
20	शनि	6/21	8	अष्टमी	दिन 10/59	रोहिणी	रात्रि 6/21	वैधृति	रात्रि 3/23			***भीष्म अष्टमी 8 , भीष्म हेतु तिल तर्पण, श्राद्ध***
21	रवि	6/20	9	नवमी	दिन 12/47	मृगशीर्ष	समग्र	विष्कुम्भ	रात्रि 3/30		मिथुन रात्रि 7/20पर	***महानन्दा नवमी 9,***
22	सोम	6/20	10	दशमी	दिन 2/13	मृगशीर्ष	दिन 8/22	प्रीति	रात्रि 3/16	रात्रि 2/42 से		
23	मंगल	6/19	11	एकादशी	दिन 3/11	आर्द्रा	दिन 9/58	आयुष्मान	रात्रि 2/42	दिन 3/11 तक	कर्क रात्रि 4/50 पर	***जया एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम् , भीष्म एकादशी 11***
24	बुध	6/18	12	द्वादशी	दिन 3/39	पुनर्वसु	दिन 11/6	सौभाग्य	रात्रि 1/43			***प्रदोष 13 व्रतम्, तिल द्वादशी, भीष्म द्वादशी (दीर्घायु प्रप्ति हेतु भीष्म के निमित श्राद्ध तर्पण)***
25	गुरु	6/18	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 3/36	पुष्य	दिन 11/44	शोभन	रात्रि 12/21			***गुरु पुष्य योग दिन 11/44 तक***
26	शुक्र	6/17	14	चतुर्दशी	दिन 3/2	आश्लेषा	दिन 11/52	अतिगण्ड	रात्रि 10/34	दिन 3/2 से रात्रि 2/31 तक	सिंह दिन 11/52 पर	व्रत पूर्णिमा 15
27	शनि	6/16	15	पूर्णिमा	दिन 2/0	मघा	दिन 11/32	सुकर्मा	रात्रि 8/27			***स्नान-दान माघी पूर्णिमा, प्रयागे त्रिवेणीसगम स्नान, सतिल पात्र, उनी वस्त्रादि दान, संत रविदास जयन्ती, प्रयागस्थ माघ स्नान व्रत यम नियम समाप्त***

अमृतसिद्धि योग - ता0 16 रात्रि 8/18 से, ता0 20 देर रात्रि 6/21 तक, ता0 22 दिन 8/22 तक, ता0 25 दिन 11/44 तक / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 14 दिन 4/15 से, ता0 16 रात्रि 8/18 से, ता0 20 देर रात्रि 6/21 तक, ता0 22 दिन 8/22 तक, ता0 25 दिन 11/44 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 13 दिन 2/52 से रात्रि 12/27 तक, ता0 18 रात्रि 1/25 से, ता0 23 दिन 3/11 से / **यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)** - ता0 18 रात्रि 1/25 से, ता0 19 रात्रि 3/59 से, ता0 23 दिन 9/58 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 14 दिन 4/15 से ता0 15 सायं 6/5 तक, ता0 16 रात्रि 8/18 से ता0 17 रात्रि 10/47 तक, ता0 20 देर रात्रि 6/21 से ता0 23 दिन 9/58 तक, ता0 25 दिन 11/44 से ता0 26 दिन 11/52 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 14 दिन 4/15 से, ता 18 दिवस पर्यन्त, ता0 20 दिन 10/59 से दिवस पर्यन्त, ता0 25 दिन 11/44 से दिन 3/36 तक

सूर्य मकरस्थ, धनिष्ठा; 12 फरवरी से कुम्भस्थ; 19 फरवरी से शतभिषा / ***भौम*** मेषस्थ, भरणी; 18 फरवरी से कृत्तिका; 24 फरवरी से वृषस्थ / ***बुध*** मकरस्थ, श्रवण, वक्री, अस्त; 13 फरवरी से पूर्वोदय; 19 फरवरी से मार्गी / ***गुरु*** मकरस्थ, श्रवण 3 चरण, अस्त; 13 फरवरी से श्रवण 4 चरण; 15 फरवरी से गुरु उदय पूर्व / ***शुक्र*** मकरस्थ, श्रवण; 13 फरवरी से शुक्रास्त पूर्व; 14 फरवरी से धनिष्ठा; 20 फरवरी से कुम्भस्थ; 25 फरवरी से शतभिषा / ***शनि*** मकरस्थ, उत्तराषाढ़ 4 चरण, अस्त; 12 फरवरी से पूर्वोदय; 15 फरवरी से श्रवण 1 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 2 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
28	रवि	6/15	1	प्रतिपदा पडिवा	दिन 12/34	पूर्वाफाल्गुनी	दिन 10/48	धृति	सायं 6/1		कन्या सायं 4/32 पर	
1	सोम	6/15	2	द्वितीया	दिन 10/47	उत्तराफाल्गुनी	दिन 9/44	शूल	दिन 3/20	रात्रि 9/47 से		
2	मंगल	6/14	3	तृतीया	दिन 8/45	हस्त	दिन 8/23	गण्ड	दिन 12/26	दिन 8/45 तक	तुला रात्रि 7/38पर	अङ्गारकी वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 9/15
3	बुध	6/13	4 5	चतुर्थी पंचमी	प्रातः 6/30 रात्रि 4/9	चित्रा स्वाती	प्रातः 6/51 रात्रि 5/13	वृद्धि ध्रुव	दिन 9/23 रात्रि 6/17			
4	गुरु	6/12	6	षष्ठी	रात्रि 1/45	विशाखा	रात्रि 3/32	व्याघात	रात्रि 3/8	रात्रि 1/45 से	वृश्चिक रात्रि 9/57 पर	
5	शुक्र	6/12	7	सप्तमी	रात्रि 11/23	अनुराधा	रात्रि 1/54	हर्षण	रात्रि 12/1	दिन 12/33 तक		
6	शनि	6/11	8	अष्टमी	रात्रि 9/9	ज्येष्ठा	रात्रि 12/25	वज्र	रात्रि 9/1		धनु रात्रि 12/25पर	***सीताष्टमी 8,*** सीता जन्म मध्यान्ह
7	रवि	6/10	9	नवमी	रात्रि 7/7	मूल	रात्रि 11/7	सिद्धि	सायं 6/11	रात्रिशेष 6/15 से		
8	सोम	6/10	10	दशमी	सायं 5/22	पूर्वाषाढ़	रात्रि 10/10	व्यतिपात	दिन 3/34	सायं 5/22 तक	मकर रात्रि 4/1 पर	
9	मंगल	6/9	11	एकादशी	दिन 3/58	उत्तराषाढ़	रात्रि 9/31	वरीयान	दिन 1/13			***विजया एकादशी 11 व्रतम् सर्वेषाम्***
10	बुध	6/8	12	द्वादशी	दिन 2/58	श्रवण	रात्रि 9/18	परिघ	दिन 11/12			***प्रदोष 13 व्रतम्,*** एकादशी पारण प्रातः 8/35 तक
11	गुरु	6/7	13	त्रयोदशी प्रदोष	दिन 2/27	धनिष्ठा	रात्रि 9/34	शिव	दिन 9/34	दिन 2/27 से रात्रि 2/27 तक	कुम्भ दिन 9/26 पर	*महाशिवरात्रि 14 व्रतम्, निशीथकाल पूजन रात्रि 11/43 से रात्रि 12/32 तक, वैद्यनाथ जयन्ती, पंचक प्रारम्भ दिन 9/26, प्रयागे त्रिवेणी संगम स्नान*
12	शुक्र	6/7	14	चतुर्दशी	दिन 2/25	शतभिषा	रात्रि 10/20	सिद्ध	दिन 8/19			
13	शनि	6/6	30	अमावस्या	दिन 2/56	पूर्वाभाद्रपद	रात्रि 11/36	साध्य	दिन 7/29		मीन सायं 5/17 पर	स्नान, दान, व्रत अमावस्या 30

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 28 दिन 10/48 से, ता0 4 रात्रि 3/32 से, ता0 5 रात्रि 1/54 तक, ता0 7 रात्रि 11/7 तक / ***त्रिपुष्कर योग*** - ता0 28 दिन 12/34 से, ता0 4 रात्रि 1/45 से रात्रि 3/32 तक, ता0 9 दिन 3/58 से रात्रि 9/31 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 3 देर रात्रि 5/13 से ता0 4 रात्रि 8/30 तक, ता0 4 देर रात्रि 3/32 से ता0 5 रात्रि 1/54 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 28 दिन 10/48 से दिन 12/34 तक, ता0 1 दिन 10/47 से, ता0 11 दिन 2/27 तक

सूर्य कुम्भस्थ, शतभिषा; 4 मार्च से पूर्वाभाद्रपद/ ***भौम*** वृषस्थ, कृत्तिका; 13 मार्च से रोहिणी / ***बुध*** मकरस्थ, श्रवण, 5 मार्च से धनिष्ठा; 10 मार्च से कुम्भस्थ / ***गुरु*** मकरस्थ, श्रवण 4 चरण ; 28 फरवरी से धनिष्ठा 1 चरण / ***शुक्र*** कुम्भस्थ, शतभिषा, अस्त; 7 मार्च से पूर्वाभाद्रपद / ***शनि*** मकरस्थ, श्रवण 1 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, रोहिणी 4 चरण; 10 मार्च से रोहिणी 3 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 2 चरण; 10 मार्च से ज्येष्ठा 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
14	रवि	6/5	1	प्रतिपदा पड़िवा	दिन 3/56	उत्तराभाद्रपद	रात्रि 1/19	शुभ	दिन 7/3			*श्रीमद्भागवतोक्त द्वादश दिवसीय पयोव्रत (पुत्रकामना हेतु), मीनस्थ सूर्य रात्रि 8/21 पर, मीन संक्रान्ति पुण्य काल दिन 12/15 से सूर्यास्त तक, खरमास प्रारम्भ*
15	सोम	6/4	2	द्वितीया	सायं 5/23	रेवती	रात्रि 3/27	शुक्ल	दिन 6/58		मेष रात्रि 3/27पर	***पंचक समाप्त रात्रि 3/27***
16	मंगल	6/4	3	तृतीया	रात्रि 7/12	अश्विनी	रात्रि 5/53	ब्रह्म	दिन 7/12			
17	बुध	6/3	4	चतुर्थी	रात्रि 9/16	भरणी	समग्र	ऐन्द्र	दिन 7/39	दिन 8/13 से रात्रि 9/16 तक		वैनायकी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम्,
18	गुरू	6/2	5	पंचमी	रात्रि 11/22	भरणी	दिन 8/28	वैधृति	दिन 8/13		वृष दिन 3/8 पर	
19	शुक्र	6/1	6	षष्ठी	रात्रि 1/23	कृत्तिका	दिन 11/4	विष्कुम्भ	दिन 8/48			
20	शनि	6/1	7	सप्तमी	रात्रि 3/7	रोहिणी	दिन 1/29	प्रीति	दिन 9/14	रात्रि 3/7 से	मिथुन रात्रि 2/34पर	
21	रवि	6/0	8	अष्टमी	रात्रि 4/29	मृगशीर्ष	दिन 3/37	आयुष्मान	दिन 9/28	दिन 3/48 तक		***होलाष्टक प्रारम्भ***
22	सोम	5/59	9	नवमी	रात्रि 5/24	आर्द्रा	सायं 5/18	सौभाग्य	दिन 9/22			
23	मंगल	5/58	10	दशमी	रात्रि 5/49	पुनर्वसु	सायं 6/33	शोभन	दिन 8/56		कर्क दिन 12/14 पर	
24	बुध	5/58	11	एकादशी	रात्रि 5/41	पुष्य	रात्रि 7/18	अतिगण्ड	दिन 8/6	सायं 5/44 से रात्रिशेष 5/41तक		***आमलकी एकादशी 11 व्रतम स्मार्तानाम्, रंगभरी एकादशी 11***
25	गुरु	5/57	12	द्वादशी	रात्रि 5/4	आश्लेषा	रात्रि 7/32	सुकर्मा धृति	प्रातः 6/50 रात्रि 5/13		सिंह रात्रि 7/32 पर	***आमलकी एकादशी 11 व्रतम वैष्णवानाम्,*** स्मार्त एकादशी 11 व्रत पारण दिन 8/24 तक
26	शुक्र	5/56	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 3/59	मघा	रात्रि 7/18	शूल	रात्रि 3/13			***प्रदोष 13 व्रतम्***
27	शनि	5/55	14	चतुर्दशी	रात्रि 2/30	पूर्वाफाल्गुनी	सायं 6/38	गण्ड	रात्रि 12/54	रात्रि 2/30 से	कन्या रात्रि 12/23पर	
28	रवि	5/55	15	पूर्णिमा	रात्रि 12/41	उत्तराफाल्गुनी	सायं 5/38	वृद्धि	रात्रि 10/18	दिन 1/35 तक		स्नान-दान-व्रत पूर्णिमा 15, ***होलिका दहन 15, प्रदोष काल रात्रि 8/32 तक, होलाष्टक समाप्त, चैतन्य महाप्रभु जयन्ती***

अमृतसिद्धि योग - ता0 16 देररात्रि 5/53 तक, ता0 20 दिन 1/29 तक, ता0 28 सायं 5/38 से / ***सर्वार्थसिद्धि योग*** - ता0 14 रात्रि 1/19 तक, ता0 16 देररात्रि 5/53 तक, ता0 20 दिन 1/29 तक, ता0 28 सायं 5/38 से / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 20 दिन 1/29 से रात्रि 3/7 तक / ***यमघण्ट योग (यात्रा में निषिद्ध)*** ता0 18 दिन 8/28 से, ता0 19 दिन 11/4 से / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 15 रात्रि 3/27 से ता0 16 रात्रि 5/53 तक, ता0 17 देररात्रि 4/38 से ता0 18 दिन 8/28 तक, ता0 19 दिन 11/4 से ता0 20 दिन 1/29 तक, ता0 22 सायं 5/18 से ता0 24 रात्रि 7/18 तक, ता0 26 रात्रि 7/18 से ता0 27 सायं 6/38 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 20 दिन 1/29 तक

सूर्य कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद; 14 मार्च से मीनस्थ; 17 मार्च से उत्तराभाद्रपद / ***भौम*** वृषस्थ, रोहिणी / ***बुध*** कुम्भस्थ, धनिष्ठा; 15 मार्च से शतभिषा; 23 मार्च से पूर्वाभाद्रपद, 27 मार्च से पूर्वास्त; 28 मार्च से मीनस्थ / ***गुरु*** मकरस्थ, धनिष्ठा 1 चरण; 14 मार्च से धनिष्ठा 2 चरण / ***शुक्र*** कुम्भस्थ, पूर्वाभाद्रपद, अस्त; 15 मार्च से मीनस्थ; 18 मार्च से उत्तराभाद्रपद / ***शनि*** मकरस्थ, श्रवण 1 चरण; 17 मार्च से श्रवण 2 चरण / ***राहु*** वृषस्थ रोहणी 3 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 1 चरण

आंग्ल तारीख	वार	सूर्योदय	तिथि	नाम	काल सीमा समाप्ति तक	नक्षत्र	काल सीमा समाप्ति तक	योग	काल सीमा समाप्ति तक	भद्रा	चंद्र राशि संचार प्रारंभ	पर्वादि निर्णय
29	सोम	5/54	1	प्रतिपदा पडिवा	रात्रि 10/36	हस्त	सायं 4/21	ध्रुव	रात्रि 7/28		तुला रात्रि 3/37 पर	***होलिका विभूति धारण, रंग होली***
30	मंगल	5/53	2	द्वितीया	रात्रि 8/19	चित्रा	दिन 2/52	व्याघात	सायं 4/29			
31	बुध	5/52	3	तृतीया	सायं 5/56	स्वाती	दिन 1/14	हर्षण	दिन 1/25	दिन 7/7 से सायं 5/56 तक		संकष्टी गणेश चतुर्थी 4 व्रतम् , चंद्रोदय रात्रि 9/11
1	गुरु	5/52	4	चतुर्थी	दिन 3/31	विशाखा	दिन 11/32	वज्र	दिन 10/16		वृश्चिक प्रातः 5/58पर	
2	शुक्र	5/51	5	पंचमी	दिन 1/7	अनुराधा	दिन 9/54	सिद्धि व्यतिपात	प्रातः 7/11 रात्रि 4/11			***रंगपंचमी***
3	शनि	5/50	6	षष्ठी	दिन 10/52	ज्येष्ठा	दिन 8/22	वरीयान	रात्रि 1/18	दिन 10/52 से रात्रि 9/50 तक	धनु दिन 8/22 पर	
4	रवि	5/49	7	सप्तमी	दिन 8/49	मूल	दिन 7/3	परिघ	रात्रि 10/39			
5	सोम	5/49	8 9	अष्टमी नवमी	प्रातः 7/3 रात्रि 5/38	पूर्वाषाढ़ उत्तराषाढ़	प्रातः 6/0 रात्रि 5/18	शिव	रात्रि 8/16		मकर दिन 11/49 पर	शीतलाष्टमी 8
6	मंगल	5/48	10	दशमी	रात्रि 4/37	श्रवण	रात्रि 4/59	सिद्ध	सायं 6/13	सायं 5/7 से रात्रिशेष 4/37 तक		***वृद्ध मंगल / बुढ़वा मंगल***
7	बुध	5/47	11	एकादशी	रात्रि 4/5	धनिष्ठा	रात्रि 5/9	साध्य	सायं 4/29		कुम्भ सायं 5/3 पर	***पापमोचनी एकादशी 11 व्रतम् स्मार्तानाम् , पंचक प्रारम्भ सायं 5/3***
8	गुरु	5/47	12	द्वादशी	रात्रि 4/2	शतभिषा	समग्र	शुभ	दिन 3/9			***पाप मोचनी एकादशी 11 व्रतम् वैष्णवानाम्,*** स्मार्त एकादशी 11 व्रत पारण दिन 8/14
9	शुक्र	5/46	13	त्रयोदशी प्रदोष	रात्रि 4/32	शतभिषा	प्रातः 5/47	शुक्ल	दिन 2/14	रात्रिशेष 4/32 से	मीन रात्रि 12/40 पर	***प्रदोष 13 व्रतम्***
10	शनि	5/45	14	चतुर्दशी	रात्रि 5/30	पूर्वाभाद्रपद	दिन 6/56	ब्रह्म	दिन 1/43	सायं 5/1 तक		मास शिवरात्रि 14 व्रतम्,
11	रवि	5/44	30	अमावस्या	समग्र	उत्तराभाद्रपद	दिन 8/33	ऐन्द्र	दिन 1/33			स्नान दान श्राद्ध अमावस्या 30
12	सोम	5/44	30	अमावस्या	प्रातः 6/55	रेवती	दिन 10/37	वैधृति	दिन 1/44		मेष दिन 10/37 पर	स्नान, दान, ***सोमवती अमावस्या 30, चांद्र संवत्सर समाप्त, पूर्ण वत्सरी अमावस्या 30***

सर्वार्थसिद्धि योग - ता0 1 दिन 11/32 से, ता0 2 दिन 9/54 तक, ता0 4 दिन 7/3 तक, ता0 5 देररात्रि 5/18 से, ता0 11 दिन 8/33 तक / ***द्विपुष्कर योग*** - ता0 30 दिन 2/52 तक / ***रवियोग (सर्वदोषनाशक)*** - ता0 3 दिन 8/22 से, ता0 4 दिन 7/3 तक / ***यायीजयप्रद योग (वादी हेतु)*** ता0 29 सायं 4/21 तक, ता0 1 दिन 3/31 से, ता0 5 दिवस पर्यन्त, ता0 12 दिन 10/37 तक

सूर्य मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद; 31 मार्च से रेवती / ***भौम*** वृषस्थ, रोहिणी; 4 अप्रैल से मृगशीर्ष / ***बुध*** मीनस्थ, पूर्वाभाद्रपद, अस्त; 30 मार्च से उत्तराभाद्रपद; 6 अप्रैल से रेवती / ***गुरु*** मकरस्थ, धनिष्ठा 2 चरण; 30 मार्च से कुम्भस्थ, धनिष्ठा 3 चरण / ***शुक्र*** मीनस्थ, उत्तराभाद्रपद, अस्त; 29 मार्च से रेवती; 8 अप्रैल से मेषस्थ, अश्विनी / ***शनि*** मकरस्थ, श्रवण 2 चरण / ***राहु*** वृषस्थ, रोहणी 3 चरण / ***केतु*** वृश्चिकस्थ, ज्येष्ठा 1 चरण

भारतीय पर्व एवं व्रतोपवास - श्री संवत 2077 (सन् 2020-2021)

सन् 2020

चांद्र संवत्सर- वासंतीय नवरात्रारम्भ	बुध	25 मार्च
दुर्गाष्टमी	बुध	1 अप्रैल
श्री राम नवमी	गुरु	2 अप्रैल
श्री महावीर जयन्ती	सोम	6 अप्रैल
सतुआ संक्रान्ति / वैशाखी	सोम	13 अप्रैल
श्री परशुराम जयन्ती	शनि	25 अप्रैल
अक्षय तृतीया	रवि	26 अप्रैल
आद्य जगदगुरू शंकराचार्य जयन्ती	मंगल	28 अप्रैल
श्री गंगा सप्तमी	बुध	29 अप्रैल
श्री नृसिंह जयन्ती	बुध	6 मई
श्री राधारमण जयन्ती	गुरु	7 मई
श्री बुद्ध पूर्णिमा	गुरु	7 मई
वट सावित्री व्रत	शुक्र	22 मई
श्री गंगा दशहरा	सोम	1 जून
श्री जगन्नाथ रथयात्रा	मंगल	23 जून
श्री विष्णु शयनी एकादशी	बुध	1 जुलाई
गुरू पूर्णिमा (व्यास पूजन)	रवि	5 जुलाई
नाग पंचमी	शनि	25 जुलाई
कज्जली (कजरी)	गुरु	6 अगस्त
बहुला संकष्टी गणेश चतुर्थी	शुक्र	7 अगस्त
हलषष्ठी (ललही छठ)	रवि	9 अगस्त
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	मंगल/बुध	11/12 अगस्त
भारतीय स्वतंत्रता दिवस	शनि	15 अगस्त
हरतालिका (बड़ी तीज)	शुक्र	21 अगस्त
वरद गणेश चतुर्थी	शनि	22 अगस्त
ऋषि पंचमी	रवि	23 अगस्त
लोलार्क षष्ठी (छठ)	सोम	24 अगस्त
अनंत चतुर्दशी	मंगल	1 सितम्बर
महालय आरंभ	मंगल	1 सितम्बर

जीवत्पुत्रिका व्रत	गुरु	10 सितम्बर
श्री विश्वकर्मा पूजन	गुरु	17 सितम्बर
पितृ विसर्जन अमावस्या	गुरु	17 सितम्बर
अधिक मास प्रारम्भ	शुक्र	18 सितम्बर
गांधी जयन्ती	शुक्र	2 अक्टूबर
अधिक मास समाप्त	शुक्र	16 अक्टूबर
शारदीय नवरात्रारम्भ	शनि	17 अक्टूबर
दुर्गा महाष्टमी	शनि	24 अक्टूबर
दुर्गा महानवमी	शनि	24 अक्टूबर
विजया दशमी	रवि	25 अक्टूबर
भरत मिलाप	मंगल	27 अक्टूबर
शरद पूर्णिमा/कोजागरी	शुक्र	30 अक्टूबर
महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	शनि	31 अक्टूबर
करवा (करक) चौथ	बुध	4 नवम्बर
अहोई अष्टमी	रवि	8 नवम्बर
धनतेरस (धन त्रयोदशी)	गुरु	12 नवम्बर
दीपावली	शनि	14 नवम्बर
अन्नकूट	रवि	15 नवम्बर
भ्रातृ द्वितीया (भइया दूज)	सोम	16 नवम्बर

श्री सूर्य षष्ठी	शुक्र	20 नवम्बर
अक्षय नवमी	सोम	23 नवम्बर
देवोत्थान एकादशी	बुध/गुरु	25/26 नवम्बर
कार्तिक पूर्णिमा / देव दीपावली	सोम	30 नवम्बर
गुरू नानक जयन्ती	सोम	30 नवम्बर
महाभैरवाष्टमी	सोम	7 दिसम्बर

सन् 2021

मकर संक्रान्ति	गुरु	14 जनवरी
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्	शनि	16 जनवरी
भारतीय गणतन्त्र दिवस	मंगल	26 जनवरी
मौनी अमावस्या	गुरु	11 फरवरी
श्री वसन्त पंचमी	मंगल	16 फरवरी
रथ सप्तमी (अचला सप्तमी)	शुक्र	19 फरवरी
माघी पूर्णिमा	शनि	27 फरवरी
संत रविदास जयन्ती	शनि	27 फरवरी
महाशिवरात्रि	गुरु	11 मार्च
रंगभरी एकादशी	बुध	24 मार्च
होलिका दहन	रवि	28 मार्च
श्री चैतन्य महाप्रभु जयन्ती	रवि	28 मार्च
होली रंग	सोम	29 मार्च
बुढ़वा मंगल/वृद्ध मंगल	मंगल	6 अप्रैल

वर्षफल

श्री संवत 2077 तथा शकाब्द 1942 के प्रारम्भ में ***प्रमादी*** नामक संवत्सर रहेगा। वैशाख शुक्ल चतुर्दशी बुधवार (6 मई 2020) को दिन 2/13 पर ***आनन्द*** नामक संवत्सर का प्रवेश होगा। किन्तु वर्ष पर्यन्त संकल्पादि में प्रमादी संवत्सर का ही विनियोग होगा। इस वर्ष ***राजा बुध*** एवं ***मन्त्री चंद्रमा*** हैं। अतः शासन के उच्च स्तर के कार्य कलापों के प्रति क्रमशः निम्न स्तरों पर असंतोष होगा किन्तु संतुलन बना रहेगा। विश्व के परिदृश्य पर राष्ट्र का प्रभाव वृद्धिमान होगा। पड़ोसी राष्ट्रों के कारण स्थितियां तनाव पूर्ण होगी। राष्ट्र में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। वृष्टि असंतुलित होगी। शारद धान्य के संदर्भ में खरीफ की फसल संतोषप्रद होगी। ग्रैष्मिक धान्य के संदर्भ में रबी की फसलों का उत्पादन उत्तम होगा।

मेषादि राशियों के संक्षिप्त फल (25 मार्च 2020 से 12 अप्रैल 2021 पर्यन्त)

मेष - ताम्र पादस्थ शनि संघर्ष के साथ सम्पर्कों से लाभ का संकेत देता है। वर्ष अन्त में लौहपादस्थ शनि प्राधिकार के दुरुपयोग की प्रवृति उत्पन्न करता है। गुरु का प्रभाव कार्य क्षेत्र में प्रभावशाली लोगों के साथ मतभेद उत्पन्न करता है तथा अधिक परिश्रम का संकेत देता है। किन्तु धन का अपव्यय होने के बावजूद कुछ संचय का संकेत है। माता-पिता का स्वास्थ्य दुष्प्रभावित हो सकता है। वर्ष का उत्तरार्ध अनुकूल होगा। 4, 8, 12 मास में सतर्क रहें।

वृष - सुवर्ण पादस्थ शनि भाग्यावरोध होने के साथ आय मार्ग में अप्रत्याशित बाधा उत्पन्न करता है तथा इच्छा होने पर भी अपेक्षित पुरुषार्थ प्रदर्शन संभव नहीं होने देता। गुरु का परिणाम मिश्रित होगा। जातक को प्राप्त हो चुके संसाधनों का विवेकशील उपयोग करना होगा अन्यथा संचय बाधित होगा। बुद्धि भ्रंश से बचें। भूमि-भवन, वाहन आदि क्रय करने में बहुत अनुकूलता परिलक्षित नहीं होती। वैवाहिक जीवन में तनाव संकेतित है। 2, 5, 11 मास नेष्ट फलद होना संभव है।

मिथुन - वर्षारम्भ में रजत पादस्थ शनि कार्य में बाधक होने के बावजूद कालान्तर में धनार्जन आदि में अनुकूलता प्रदान करेगा। प्रारम्भ में कष्टप्रद गुरु वर्ष मध्य में प्रतिष्ठा वृद्धि का कारक होगा। व्यापारियों के कार्य क्षेत्र की वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन की समरसता हेतु विशेष प्रयास करने होंगे। अन्यथा समस्या गंभीर हो सकती है। घर से बाहर अर्थात भ्रमण के अवसर निरंतर उपलब्ध हो सकते है। 3, 9, 10 मास में सावधान रहें।

कर्क - वर्ष प्रारम्भ में लौहपादस्थ शनि अस्वास्थ्य व पारिवारिक अशांति के बावजूद समाज में सम्मान व प्रतिष्ठा का संकेत प्रदान करता है। इस स्थिति को संतुलित करने में गुरु सहायक होंगे व परिवार में अनुकूलता उत्पन्न होगी। भोजन आदि का असंयम उदर व्याधि व शल्य क्रिया की सम्भावना उत्पन्न करेगा। विधिक विवाद में अनुकूलता होगी। 3, 6, 12 मास नेष्ट फलद होंगे।

सिंह - ताम्रपादस्थ शनि कार्यक्षेत्र में उन्नति व गतिशीलता का संकेत देता है। अभियान्त्रिकी व शुद्ध विज्ञान के क्षेत्र से संबद्ध व्यक्तियों को विशेष अनुकूलता का अनुभव होगा। संतान की क्रियात्मकता बाधित हो सकती है। गुरु का प्रभाव प्रारम्भ में प्रतिकूलता का संकेत देने के बाद वर्ष मध्य में भाग्योन्नयन में सहायक होगा। व्यापार तथा सेवा क्षेत्र में सकारात्मक संकेत प्राप्त होंगे। माँ-पिता कुछ धार्मिक कार्य कर पायेंगे। विरोधी शांत होगे। 3, 9, 12 माह में प्रतिकूलता के संकेत हैं।

कन्या - रजत पादस्थ शनि पुत्र की शारीरिक व्याधि के संकेत के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरक सिद्ध होगा। स्वास्थ्य विशेषकर उदर भाग दुष्प्रभावित हो सकता है। भोजन आदि में नियंत्रण अपेक्षित है। संचित धन का क्षरण संभव है, सतर्क रहें। जीवन की सकारात्मक गति में गुरु भी सहायक होंगे। विधिक विवाद में विजय का संकेत है। धार्मिक यात्रा की संभावना है। प्रतिष्ठा मूलक कार्य का श्रेय मिल सकता है। 4, 8, 12 मास नेष्ट फलद है।

तुला - सुवर्ण पादस्थ शनि दांपत्य जीवन में मतभेद व तनाव का संकेत देता है। सावधानी के साथ इस समस्या को नियंत्रित कर सकते हैं। वाहन चालन में सावधानी बरतें अन्यथा दुर्घटना का योग है। जीवन चर्या के अनुशासनहीनता के कारण रक्त संचरण से सम्बद्ध व्याधियों का आक्रमण संभव है। गुरु की भी प्रतिकूलता का संकेत है। व्यर्थ में किसी को कोई आश्वासन न दें। अपूर्ण रहने पर अपमान होगा। विधिक वादों में सतर्क रहें। 1, 5, 9 मास प्रतिकूल है।

वृश्चिक - लौह पादस्थ शनि प्रबल तनाव के साथ कार्य क्षेत्र में सकारात्मक गति का संकेत देता है। यह व्यापारी, उद्योगपति, विद्यार्थी, शोधार्थी सभी हेतु अनुकूलता का प्रेरक है। संतति जन्म में थोड़ा कष्ट संकेतित है अतः सतर्क रहें। वर्षारम्भ में सहायक न होने पर भी वर्ष मध्य में गुरु अनुकूल होंगे तथा परिवार व कार्य क्षेत्र दोनों में उत्तम गति प्राप्त होगी। माङ्गलिक कार्य संपादित होगें। विधिक विजय होगी। 3, 8, 11 मास में सतर्क रहें।

धनु - सुवर्ण पादस्थ शनि भारी व्यय के साथ निरंतर भ्रमण का भी संकेत देता है। वर्ष मध्य में शारीरिक कष्ट विशेषतः उदर तथा कंधे में जटिलता का संकेत है। वाहन चालन में सावधान रहें अन्यथा दुर्घटना संभव है। गुरु का प्रभाव भी मिश्रित होगा। किये जा रहे प्रयासों के बावजूद अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने में बाधा का संकेत है। आर्थिक लेन-देन में सावधान रहें। 2, 7, 10 मास में सतर्क रहें।

मकर - ताम्रपादस्थ शनि पूर्वकालिक फँसे हुये विधिक विवादों में पर्याप्त तनाव देता है। भोजन तथा जल के प्रयोग में सावधान रहें अन्यथा संचारी व्याधियों का प्रभाव पकड़ सकता है। शिरोवेदना के साथ रक्तचाप से संबद्ध व्याधियाँ भी संकेतित हैं अतः जीवनचर्या को नियमित करने की आवश्यकता है। गुरु के प्रभाव से संपत्ति से जुड़े मामलों में उपयुक्त एवं अपेक्षित लाभ प्राप्त हो सकता है। फँसा धन प्राप्त होगा। 2, 6, 10 मास नेष्ट फलद होंगे।

कुम्भ - रजत पादस्थ शनि ऋणभार में असंतुलित वृद्धि का संकेत देता है। इसके साथ ही संचित धन का क्षरण अनपेक्षित रूप से लक्षित होता है। आकस्मिक भाग्यावरोध भी कष्ट देगा। शत्रु प्रभावी होंगे। उद्योगपतियों को अपने उद्यमों में अशांति तथा पूंजी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। किन्तु फिर भी कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी। छात्र उपलब्धि प्राप्त करेंगे। माँ-पिता धार्मिक कार्य करेगे। 1, 5, 9 मास प्रतिकूल होंगे।

मीन - लौह पादस्थ शनि भूमि-भवन, वाहन आदि संदर्भों में सर्वतोभावेन अनुकूलता का संकेत देता है। वृद्धजन कुछ संदर्भों में व्याधि से आक्रान्त रह सकते है। संतान को कष्ट संभव है। वर्ष पर्यन्त गुरु का प्रभाव पारिवारिक जीवन तथा कार्य क्षेत्र में अनुकूलता का संकेत देता है। पदोन्नति, शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि तथा उद्योग-व्यापार के पर्याप्त विस्तार का संकेत है। संपत्ति क्रय होगी। 2, 5, 9, 12 मास में सतर्कता अपेक्षित है।



गोधूलि - धूसरित - कोमलगोपवेशं
गोपाल - बालक - शतैरनुगम्यमानम् ।
सायंतने निजगृहे पशुबन्धनार्थं
गच्छन्तमच्युतशिशुं प्रणतोऽस्मि नित्यम् ।।



अत्यंत सुकुमार शरीर है तथा गायों के खुरों से उड़ी धूलि उस पर आवृत्त हो रही है। गोप के समान वेश है। सैकड़ों ग्वाल-बाल पीछे-पीछे चल रहे हैं। इस प्रकार सायंकाल अपने गृह में गायों को बांधने हेतु ले जाते हुये बाल वेशधारी अच्युत श्रीकृष्ण को हम नित्य प्रणाम करते हैं।



परम पूज्य संत आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज के श्रीमद् भागवत प्रवचनों से संकलित कतिपय अमूल्य सूक्तियां

1. उत्तम समय की प्रतीक्षा में अकर्मण्य बने रहना समय को नष्ट कर देना ही है।
2. विनम्र होने का अहंकार प्रत्यक्षतः अहंकारी होने की तुलना में कहीं अधिक घातक है।
3. स्व व्यक्तित्व समायोजन का प्रयास किये बिना अन्यों से परिवर्तन की अपेक्षा मूर्खता ही है।
4. मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होने पर ही हम संतुलित शारीरिक स्वास्थ्य की अपेक्षा कर सकते है।
5. भजन श्वास-प्रश्वास में प्रवाहित हो यही उसकी पूर्णता है।
6. लक्ष्य पूर्ति होने से भविष्य में प्राप्त आनंद का चिंतन लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग व प्रक्रिया को भ्रष्ट कर देता है।
7. आत्यंतिक सखा तो ईश्वर ही है क्योंकि अन्य तो भिन्न कारणों से संबन्धित सूत्र मात्र हैं।
8. गहन अंधकार प्रकाश का उद्भावक है यदि इष्ट में आस्था अचल हो तो।

आग्रह

संस्थान द्वारा प्रकाशित पंचांग का निःशुल्क वितरण, शैक्षणिक परंपरागत क्षेत्र में अनुसंधान वृत्ति को प्रोत्साहित करने, प्राच्य विद्याओं के विकास आदि कार्यों के साथ प्रतिवर्ष माघ मेला तथा समयानुरुप कुम्भ व अर्धकुम्भ मेलों में प्रयाग में ***भण्डारा, अन्न दान, वस्त्र दान, धर्मार्थ चिकित्सालय*** के संचालन तथा अन्य धार्मिक - सामाजिक कार्यों के क्रियान्वयन की परंपरा रही है। इन कार्यों को अधिक वृहद् स्तर पर करने हेतु धन की महती आवश्यकता है। अतः इस उद्देश्य हेतु आप मुक्त हृदय से ***'डॉ0 देवी प्रसाद गौड़ प्राच्य विद्या अनुसंधान संस्थान'*** के नाम ड्राफ्ट, चेक आदि प्रेषित कर एक सकारात्मक सामाजिक आंदोलन के क्रियात्मक सहभागी बन सकते हैं। आप स्वयं संस्था के बैंक एकाउंट में भारत के किसी भी स्थान से अपनी देय दान राशि स्थानांतरित कर सकते है।

संस्था का सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंण्डिया एकाउंट नम्बर - 1398763596

RTGS No. - C.B.I.N.0280184

इस उद्देश्य हेतु आप निम्न नंबरों पर भी संपर्क कर सकते हैं।

(+91) 9415308509, (+91) 8090001074, (0532) 2618509

आर्थिक सौजन्य

श्रीमती सुदेवी गौड़ - एम0 ए0, साहित्य रत्न, साहित्यालंकार - दूरभाष - (0532) 2618509

श्री कृष्ण प्रताप सिंह - 45/38 ए, लाउदर रोड, जार्ज टाउन, इलाहाबाद - दूरभाष - 2462168

पवन जायसवाल एण्ड एसोसियेट्स - संगम प्लेस, यू-20 & 26, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद - 211001

दूरभाष 0532-3255455, 9838978486, 9450586293, फैक्स - 0532-2561001

डॉ0 ए0 एन0 चड्ढा - वेलक्योर होमियो क्लीनिक डी0ए0वी0 मार्केट, मीरापुर, इलाहाबाद - दूरभाष - 2659713

43/9, सरदार पटेल मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद - दूरभाष - 2260656

श्री विनीत पाण्डेय एडवोकेट - 9/1, इंडस्ट्रियल कालोनी, नैनी, इलाहाबाद दूरभाष - 2695511, 9554633333
E-Mail - vineetp09@gmail.com
DELTA ENGG TECH PVT. LTD.
delta.enterprises6@gmail.com

डॉ0 धीरेन्द्र सिंह - पवार डेन्टल लैब - सी 3621, राजाजीपुरम् लखनऊ - 17 दूरभाष - (0522) 2417271 कानपुर शाखा - 0512-2600202

श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता - इलाहाबाद, मो0 9919474024

श्रीमती रजनी भरत लाल अरोड़ा - एम.आई.जी. 2, ए-45, अवन्तिका कालोनी, ए.डी.ए. नैनी, इलाहाबाद मो0 9935526789

श्री के0 एन0 एन0 सिंह - वाइस प्रेसीडेन्ट, नेशनल एजूकेशनल एसोसियेशन, रामबली नेशनल इण्टर एवं डिग्री कालेज, गोसाईगंज, फैजाबाद - मो0 9415644763

श्रीमती सावित्री कपूर-श्रीमती वीना कपूर - मेसर्स भोलानाथ कपूर, चौक, इलाहाबाद मो0 9450607570, 9451845359

अक्षर संयोजन - विभूति अग्रवाल, सुपरसेट कम्प्यूटर्स, 98, जीरो रोड, इलाहाबाद ▪ सम्पर्क 9335101030

परम पूज्य महाराज श्री के विविध पक्षों का परिचय







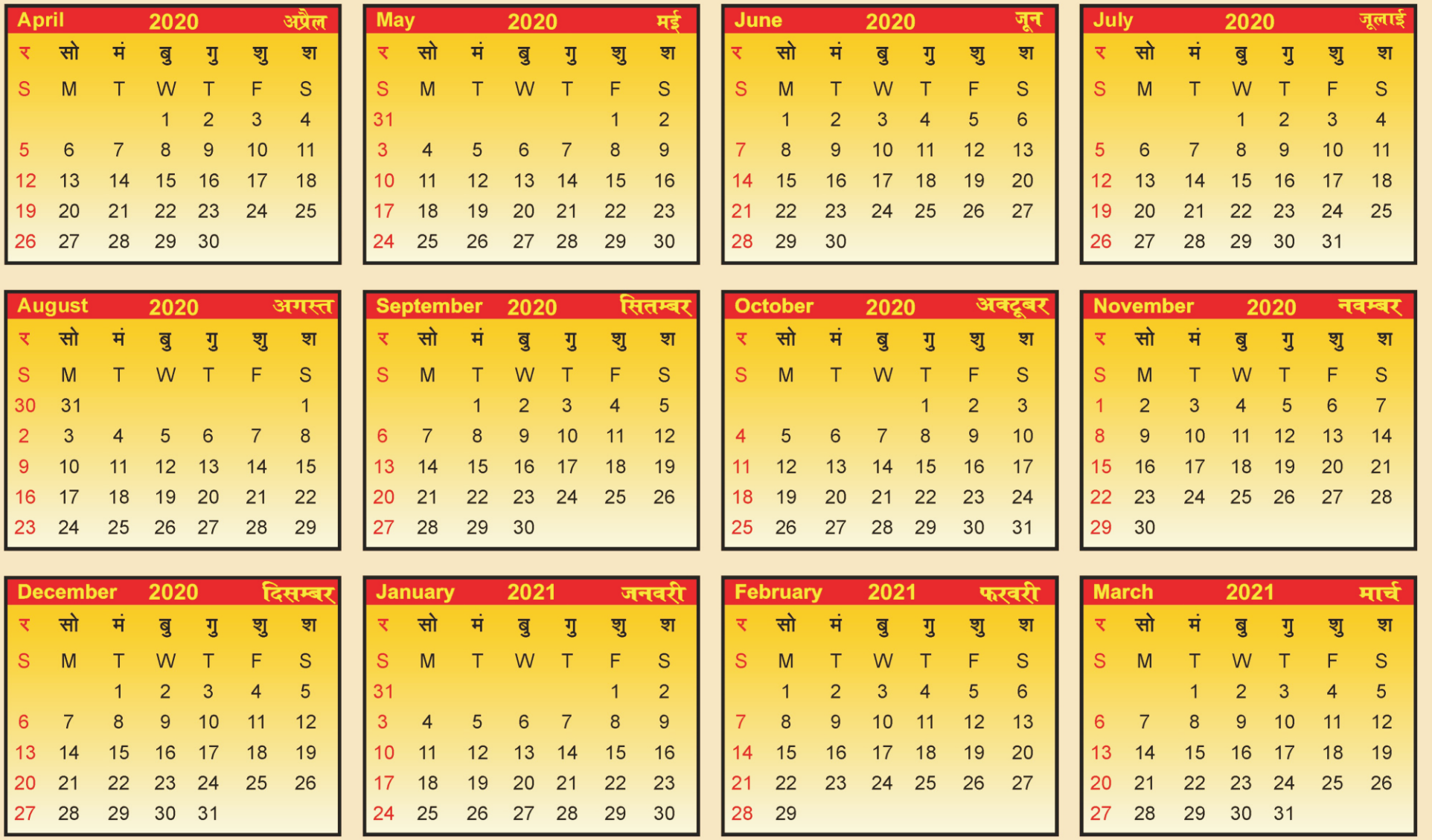












ब्लाक 13, द्वारिका एनक्लेव, ग्राउंड फ्लोर, लूकरगंज, प्रयागराज - 211001 भारत

दूरभाष : (0532) 2618509 Mobile : (+91) 9415308509, 8090001074

ई. मेल : amitabhg98@yahoo.com/maharajshree19@gmail.com

visit us at : www.astrospiritualsolutions.com

मानव सेवा माधव सेवा – परमपूज्य संत वैष्णवाचार्य आचार्य श्री अमिताभ जी महाराज